फौलादी सिंह
और
ड्रीम लैण्ड का बादशाह
86 Rs. 3.50
धड़ाक
Scan & editing
by
Rahul Dubey

फौलादी सिंह और ड्रीमलैण्ड का बादशाह

डा॰ जॉन ने कारकोला के चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए फौलादी सिंह की मदद के लिए एक ग्लोब नुमा कम्प्यूटर बनाया था जिसका नाम भारत था, बाद में डा॰ जॉन ने उसे और ज्यादा शक्तिशाली बना दिया - इतना शक्तिशाली कि वह स्वयं सोच-समझ कर काम कर सकता था, कम्प्यूटर एक उच्चकोटी के वैज्ञानिक के साथ-साथ विनाशकारी शक्तियों का पुंज बन गया - रही सही कसर उसने खुद पूरी कर ली - फिर एक दिन डा॰ जॉन को बिना सूचना दिए अन्तरिक्ष में चला गया - वहां उसने एक दूसरे सौर मण्डल के ग्रहों पर जंग छेड़ दी - और अंगोवा ग्रह तथा टेकना ग्रह पर अधिकार कर लिया - वह बागी बन गया था, उसके पास एक महत्वाकांक्षी मनुष्य का दिमाग था पृथ्वी से फौलाद कम्प्यूटर भारत को काबू में करने के लिए अपने दोस्त लम्बू के साथ गया - फिर अन्तरिक्ष में भयानक मुठभेड़ हुई - फौलाद ने दूसरे ग्रहों के सहयोग से भारत का स्टेशन नष्ट किया - उसे बहुत क्षति पहुंचाई मगर काबू में न कर सका - भारत वापस पृथ्वी पर आगया और उसने डा॰ जॉन की प्रयोगशाला पर अधिकार कर लिया - उसके भीतरी सिस्टम में कुछ खराबी आ गई थी - वह उसे ठीक करने लगा डा॰ जॉन उसके रहमोकरम पर जीवित थे - जब कि फौलाद और लम्बू अन्तरिक्ष में थे .... वह एक नये संग्राम की तैयारी कर रहे थे - जो भारत की ओर से शुरू होने वाला था - यहां तक आपने " फौलादी सिंह और ग्लोब का आतंक " में पढ़ा था - अब आगे की कहानी पढ़िए .....

अंगोवा ग्रह का सम्राट मागुम्बा, टेकना ग्रह की महारानी राबूनिया, डा॰ रोबी, अन्य चारों वैज्ञानिक, मोरवी, फौलाद और लम्बू के बीच विचार विमर्श जारी था ... मगर किसी की कुछ समझ में नहीं आ रहा था भारत के मुकाबले में वह सब अपने आपको कमज़ोर समझ रहे थे - यह सच भी था, ब्रह्माण्ड के किसी भी ग्रह के पास ऐसी शक्ति न थी जिससे वह भारत को विवश कर सके ... सिर्फ एक व्यक्ति था जो भारत के मुकाबले में कुछ कर सकता था - और वह शक्ति डा॰ जॉन थे - उन्होंने ही भारत का निर्माण किया था और वही उसका विध्वंस कर सकते थे - मगर वह तो भारत की कैद में थे।

सम्राट मागुम्बा मेरे लिये एक रॉकेट का प्रबन्ध कीजिए - मैं पृथ्वी पर जाऊंगा ।
मगर वहां तुम क्या कर सकोगे फौलाद; टापू भारत की सुरक्षा किरणों के घेरे में है ।
ये टापू हिन्दमहासागर में है, मैं अरब सागर में उतरूंगा समुद्र के रास्ते ही टापू तक पहुंचूंगा - और समुद्र में डूबे हुए टापू के धरातल को फोड़ कर सुरंग बनाता हुआ - टापू में पहुंचूंगा और धरातल फाड़ कर ऊपर आ जाऊंगा ।
भारत को मालूम हो जाएगा - और वह बहुत गुस्से में है । और अब तक वह अपनी खराबी ठीक कर चुका होगा ।
यह सब बाद की बातें हैं - मैं टापू पर पहुंच जाऊं फिर चाहे जो हो परवाह नहीं
ठीक है ; फिर मैं भी तुम्हारे साथ चलता हूं ।
और मैं भी ।
नहीं लम्बू तुम यहीं रहोगे, क्योंकि हम दोनों में से एक का जीवित रहना आवश्यक है, ताकि एक के मरने पर दूसरा, काम चालू रखे ।
फौलाद की बात सही थी - अतः लम्बू को विवश होकर माननी पड़ी ।
अन्तरिक्षक ... देर करना ठीक नहीं - हमें चल देना चाहिए ।
मैं तैयार हूं - दोस्त !
अन्तरिक्षक तो बिना राकेट के भी जा सकता था - मगर फौलाद को राकेट की जरूरत थी - उसे समुद्र में भी तो सफर करना था - और सम्राट मागुम्बा का राकेट पानी में पनडुब्बी का काम भी कर सकता था ।...
अन्तरिक्षक ... पृथ्वी पर पहुंच कर तुम मेरी फिक्र नहीं करोगे - जैसे ही मौका मिले जॉन अंकल को लेकर मागुम्बा ग्रह पर पहुंच जाना ।
ऐसा ही होगा .. ... फौलाद !

उधर- फौलाद का रॉकेट पृथ्वी की ओर बढ़ता जा रहा था इधर लम्बू अपनी योजना बता रहा था ।
अपने सौर मंडल के सभी ग्रहों के सम्राटों को अपने इस अभियान में शामिल कर लिया जाए, इससे हमारी शक्ति बढ़ेगी - और यह काम तुरन्त शुरू हो जाना चाहिए ।
मित्र - हमारे सौर मण्डल में दस ग्रह हैं उनमें बबालो ग्रह एक ऐसा ग्रह है जो पहले से ही पूरे सौर मण्डल पर आँख जमाये बैठा है -उसका विज्ञान बाकी सब ग्रहों से अधिक उन्नत है ।
लेकिन यह बात उससे छिपी न होगी 'कि ग्लोब' किस बला का नाम है - आप उसे सारे हालात समझाइये मेरा ख्याल है वह हमारे साथ मिल जाएगा ।
हो सकता है, हालातों को देखकर बबालो ग्रह का सम्राट-जोरो हमारे साथ मिल जाए, लेकिन उसकी मित्रता पर विश्वास नहीं किया जा सकता ।
हमारे सामने फिलहाल भारत की समस्या है , अगर यह सुलझ गई -तो बाद में जोरो से निबट लिया जाएगा - वह चाहे कितना ही शक्तिशाली सही - उसके लिए हमारा अन्तरिक्षक काफी रहेगा
फिर...मागूम्बा कन्ट्रोलरूम में चला गया और बाकी ग्रहों के शासकों से बात करने लगा ।
भारत किस मुसिबत का नाम है - आप लोग जान गये हैं आप सबका जवाब चाहता हूं ।
हम साथ हैं ।
मित्रता
दोस्ती
हमारा पूर्ण सहयोग मिलेगा
फिर बबालो ग्रह के सम्राट जोरो से भी बात हुई ।
सम्राट मागूम्बा इसीलिए तो मैं चाहता हूं कि सारे ग्रहों की शक्ति एक हो- अगर तुम सब मेरे आधीन रहते तो यह मुसीबत आती ही नहीं-- लेकिन खैर मैं तुम्हारे साथ हूं- हम सब मिलकर कम्प्यूटर भारत से टक्कर लेंगे
धन्यवाद सम्राट जोरो।
सम्राट वापस मन्त्रणा कक्ष में लौटा..।
सब हमारे साथ हैं, मगर हमें हर पल जोरो से सावधान रहना होगा । वह सब, कुछ देर में यहां पहुंच जायेंगे हमें उनके स्वागत के लिए अन्तरिक्ष उड्यन स्थल पर चलना चाहिए ।
चलिए
चलिए

Scan & editing by Rahul Dubey

उधर··· फौलाद का रॉकेट पृथ्वी के वायुमण्डल में प्रविष्ट हो चुका था।
फौलाद··· अपना ख्याल रखना
तुम मेरे आस पास ही रहना···जैसे ही मौका मिले जॉन अंकल को ले भागना।
कुछ ही क्षण बाद··· रॉकेट अरब महासागर में समा गया।
समुद्र के गर्भ में भी रॉकेट की गति बहुत तेज थी···कुछ ही मिन्टों में-वह डा॰ जान के टापू पर पहुंचने वाला था।
फिर··· डा॰जान के टापू के निकट फौलाद ने रॉकेट समुद्र के गर्भ में छिपी पहाड़ियों में छिपा दिया।
फौलाद पानी में भीतर ही भीतर तैरता हुआ टापू के किनारे पर पहुंचा और पानी में छिपे टापू के धरातल पर हाथ से निकलने वाली किरणें छोड़ीं जिससे सुरंग बनने लगी।

तेजी से बनती हुई सुरंग गहरी और गहरी होती गई
और जब··· फौलाद ने बाहर आने के लिए धरातल फोड़ा तो वह एक कमरा था - जहां एक रोबोट पहरेदार खड़ा था।
धड़ाम्म
हैं!···कोई नीचे से सुरंग बनाकर ऊपर आ रहा है।
फौलाद को सूराख से बाहर आता देख रोबोट उस पर झपटा।
फौलाद फुर्ती से बाहर आया···· रोबोट के हाथ से उसका हथियार छीना और उसी पर वार किया।
कड़ाक
भारत ने यहां का पूरा सिस्टम बदल दिया - जो रोबोट डा॰ जॉन ने अपनी तथा टापू की सुरक्षा के लिए बनाये थे वह अब भारत की सुरक्षा कर रहे हैं टापू की पूरी रोबोट फोर्स भारत की गुलाम है, सबसे बचना होगा
यह टापू उसका अपना था - वह इसके चप्पे-चप्पे से परिचित था - उसने पहचान लिया कि इस समय वह जिस कमरे में है उसके दांयी ओर वाला कमरा डा॰ जॉन का निजी कन्ट्रोल रूम था - जहां बैठ कर वह टापू की प्रत्येक कार्यवाही पर नजर रखते थे।···फौलाद ने हाथों को रगड़ कर किरणें छोड़ीं···
शायद! डा॰ जॉन से मुलाकात हो जाए।

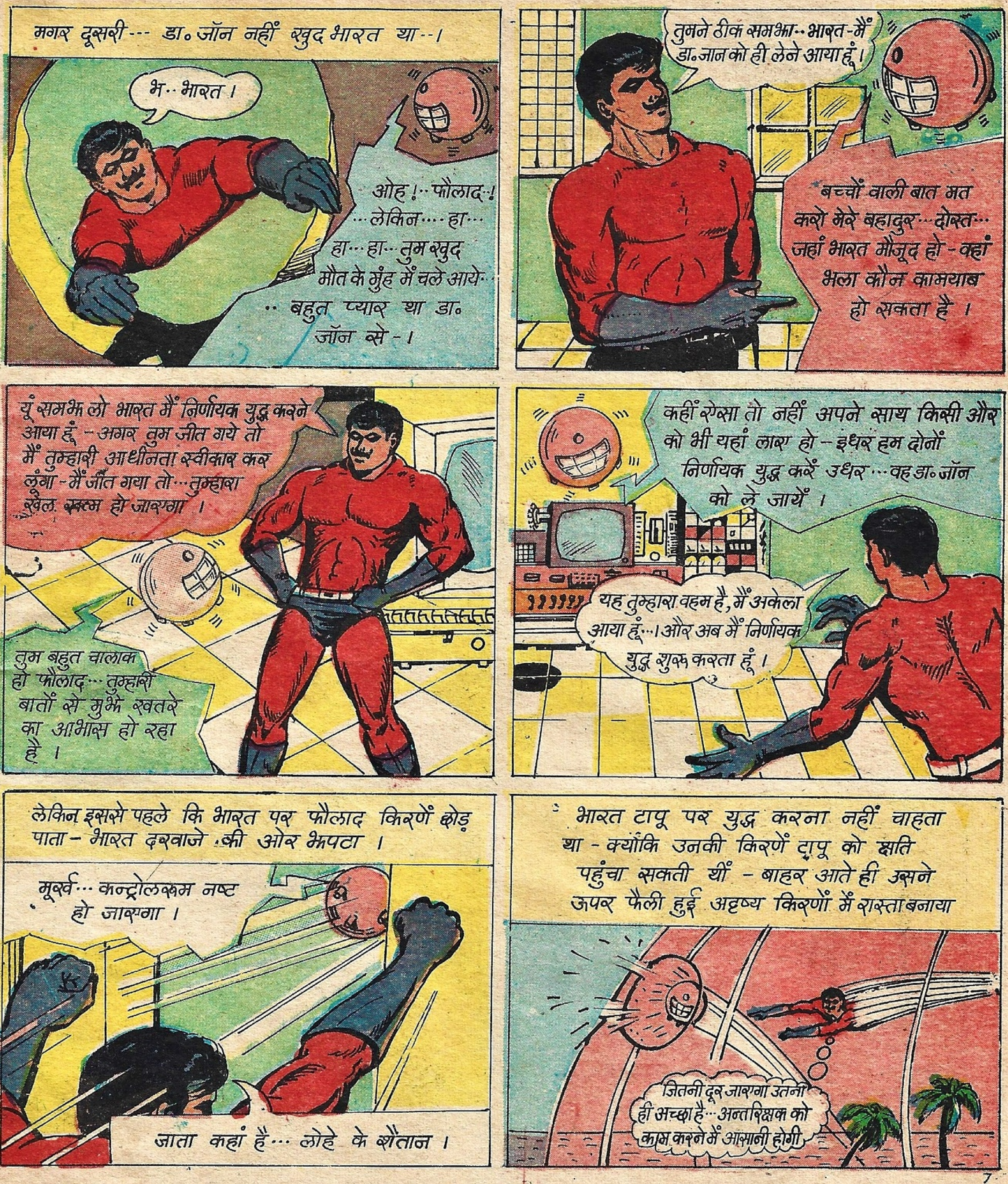

मगर दूसरी--- डा० जॉन नहीं खुद भारत था--।
भ..भारत।
ओह!..फौलाद!..लेकिन....हा...हा...हा..तुम खुद मौत के मुंह में चले आये..बहुत प्यार था डा० जॉन से-।
तुमने ठीक समझा..भारत-मैं डा०जान को ही लेने आया हूं।
बच्चों वाली बात मत करो मेरे बहादुर...दोस्त...जहां भारत मौजूद हो - वहां भला कौन कामयाब हो सकता है।
यूं समझ लो भारत मैं निर्णायक युद्ध करने आया हूं - अगर तुम जीत गये तो मैं तुम्हारी आधीनता स्वीकार कर लूंगा - मैं जीत गया तो...तुम्हारा खेल खत्म हो जाएगा।
तुम बहुत चालाक हो फौलाद...तुम्हारी बातों से मुझे खतरे का आभास हो रहा है।
कहीं ऐसा तो नहीं अपने साथ किसी और को भी यहां लाए हो - इधर हम दोनों निर्णायक युद्ध करें उधर...वह डा०जॉन को ले जायें।
यह तुम्हारा वहम है, मैं अकेला आया हूं...। और अब मैं निर्णायक युद्ध शुरू करता हूं।
लेकिन इससे पहले कि भारत पर फौलाद किरणें छोड़ पाता - भारत दरवाजे की ओर झपटा।
मूर्ख...कन्ट्रोलरूम नष्ट हो जाएगा।
जाता कहां है... लोहे के शैतान।
भारत टापू पर युद्ध करना नहीं चाहता था - क्योंकि उनकी किरणें टापू को क्षति पहुंचा सकती थीं - बाहर आते ही उसने ऊपर फैली हुई अदृष्य किरणों में रास्ता बनाया
जितनी दूर जाएगा उतनी ही अच्छा है...अन्तरिक्षक को काम करने में आसानी होगी।

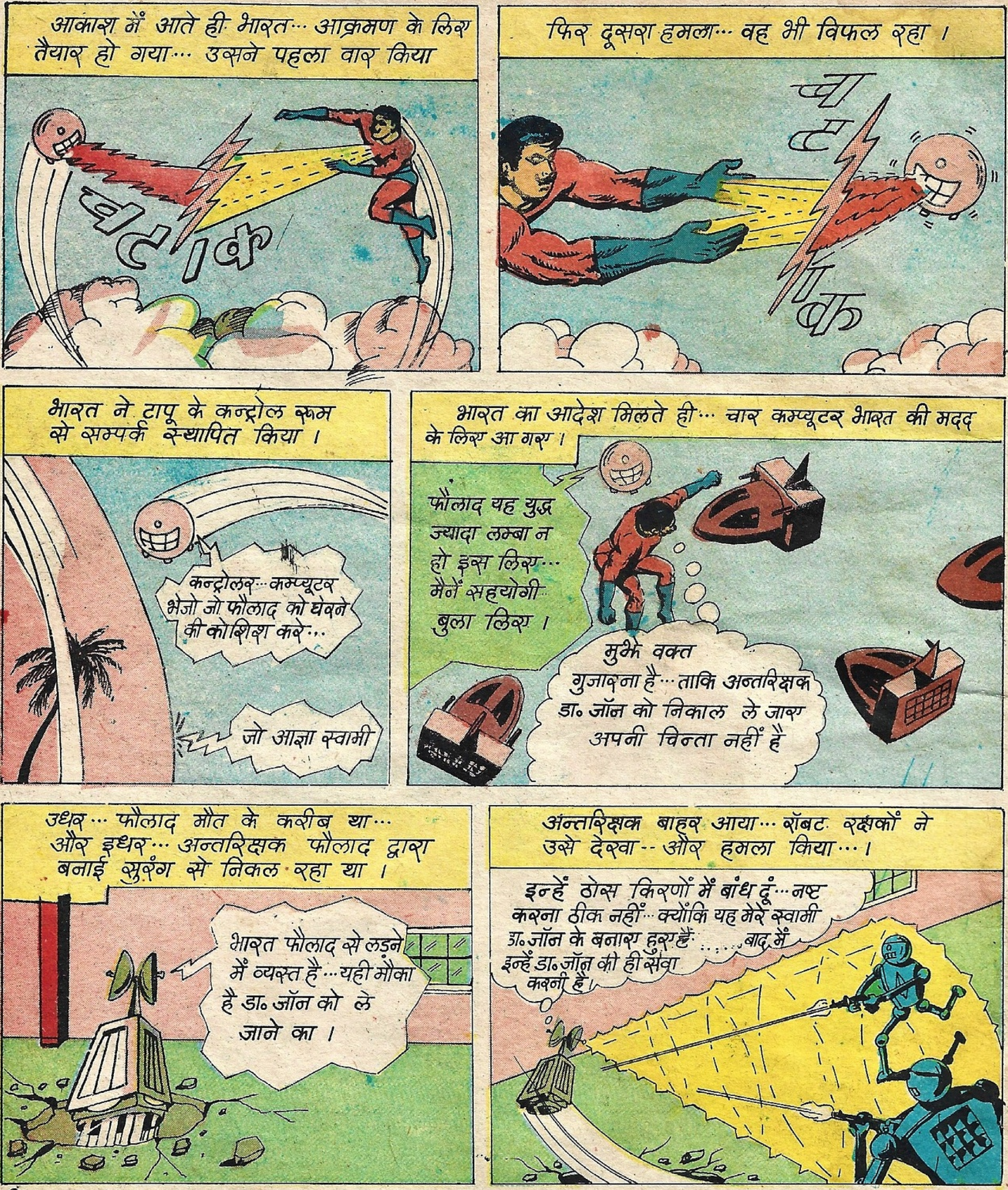
आकाश में आते ही भारत··· आक्रमण के लिए तैयार हो गया··· उसने पहला वार किया
चटाक
फिर दूसरा हमला··· वह भी विफल रहा।
चटाक
भारत ने टापू के कन्ट्रोल रूम से सम्पर्क स्थापित किया।
कन्ट्रोलर··· कम्प्यूटर भेजो जो फौलाद को घेरने की कोशिश करे···
जो आज्ञा स्वामी
भारत का आदेश मिलते ही··· चार कम्प्यूटर भारत की मदद के लिए आ गए।
फौलाद यह युद्ध ज्यादा लम्बा न हो इस लिए··· मैंने सहयोगी बुला लिए।
मुझे वक्त गुजारना है··· ताकि अन्तरिक्षक डा॰ जॉन को निकाल ले जाए अपनी चिन्ता नहीं है
उधर··· फौलाद मौत के करीब था··· और इधर··· अन्तरिक्षक फौलाद द्वारा बनाई सुरंग से निकल रहा था।
भारत फौलाद से लड़ने में व्यस्त है··· यही मौका है डा॰ जॉन को ले जाने का।
अन्तरिक्षक बाहर आया··· रॉबट रक्षकों ने उसे देखा··· और हमला किया···।
इन्हें ठोस किरणों में बांध दूं··· नष्ट करना ठीक नहीं··· क्योंकि यह मेरे स्वामी डा॰ जॉन के बनाए हुए हैं······ बाद में इन्हें डा॰ जॉन की ही सेवा करनी है।

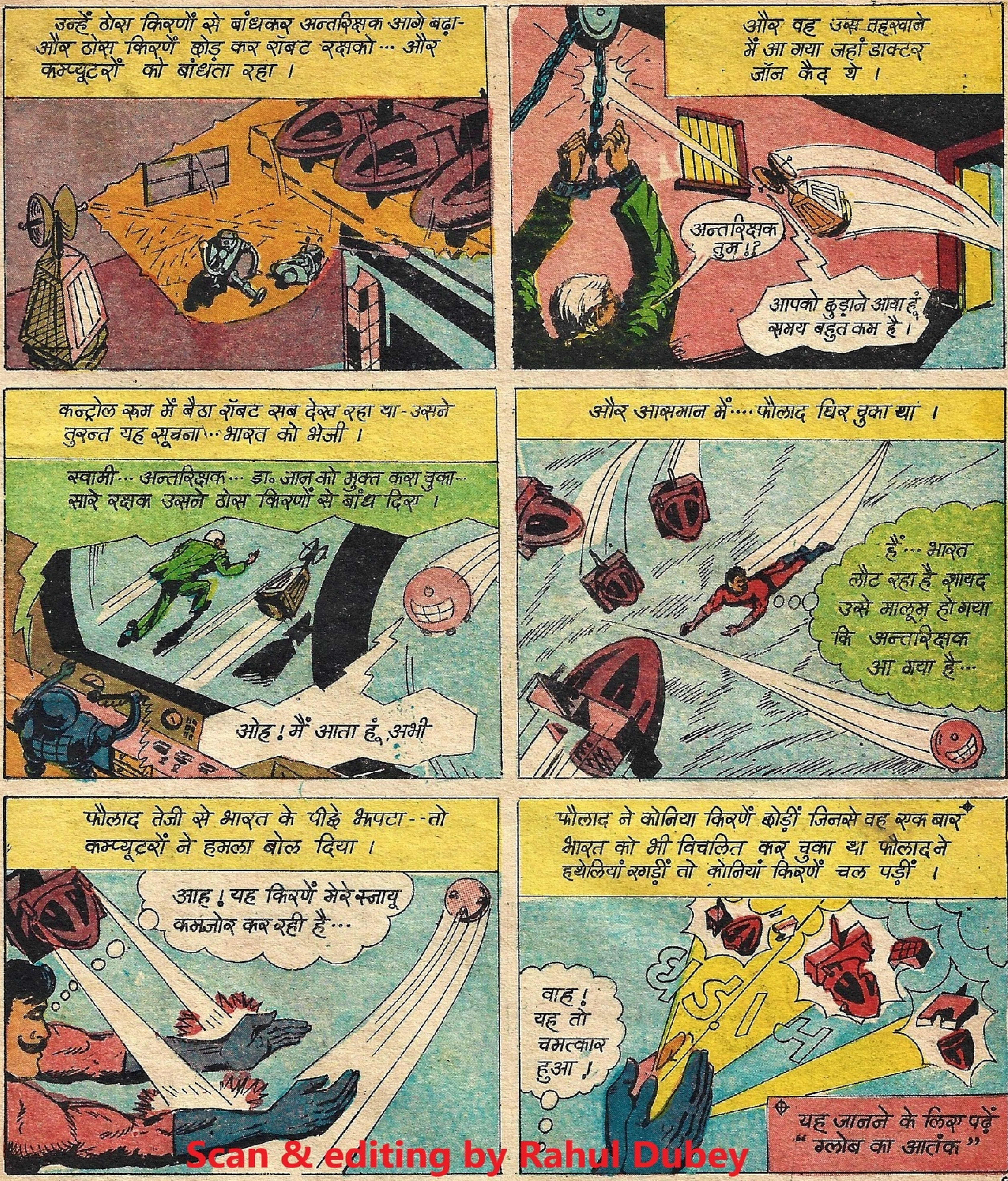

Scan & editing by Rahul Dubey

कोनियां किरणों से चारों कम्प्यूटर नष्ट हो गए - और फौलाद भारत के पीछे झपटा ।
टापू पर फैली सुरक्षा किरणों में झरोखा बना हुआ-जल्दी में भारत इसे बन्द नहीं कर पाया ।
उधर…
इस सुरंग से गया है… समुद्र में जाएगा… यहीं से चलूं…।
भारत के पीछे फौलाद आया…
गया… कम्बख्त… मैं भी चलूं ।
उधर– अन्तरिक्षक सुरंग से निकल चुका था ।
वह आ रहा है… फौलाद उसे रोक नहीं सका ।
ओह! तो क्या फौलाद अकेला ही भारत से भिड़ा हुआ तुमने यह भी नहीं बताया कि फौलाद भी आया हुआ है ।
समय ही कहां था इतना कि आपको सब कुछ बताता… दरअसल फौलाद की ही योजना से हो रहा है यह सब…।
और तभी भारत आ पहुंचा…।
अन्तरिक्षक…भारत को धोखा देना इतना आसान नहीं है…ले बच सको तो बचो… यह किरणें तेरी और डा॰ जॉन की मौत हैं ।
बीच में आ गया फौलाद…।
आह! भागो अन्तरिक्षक…मैं इसे आगे बढ़ने नहीं दूंगा ।
आह ऽऽऽऽ

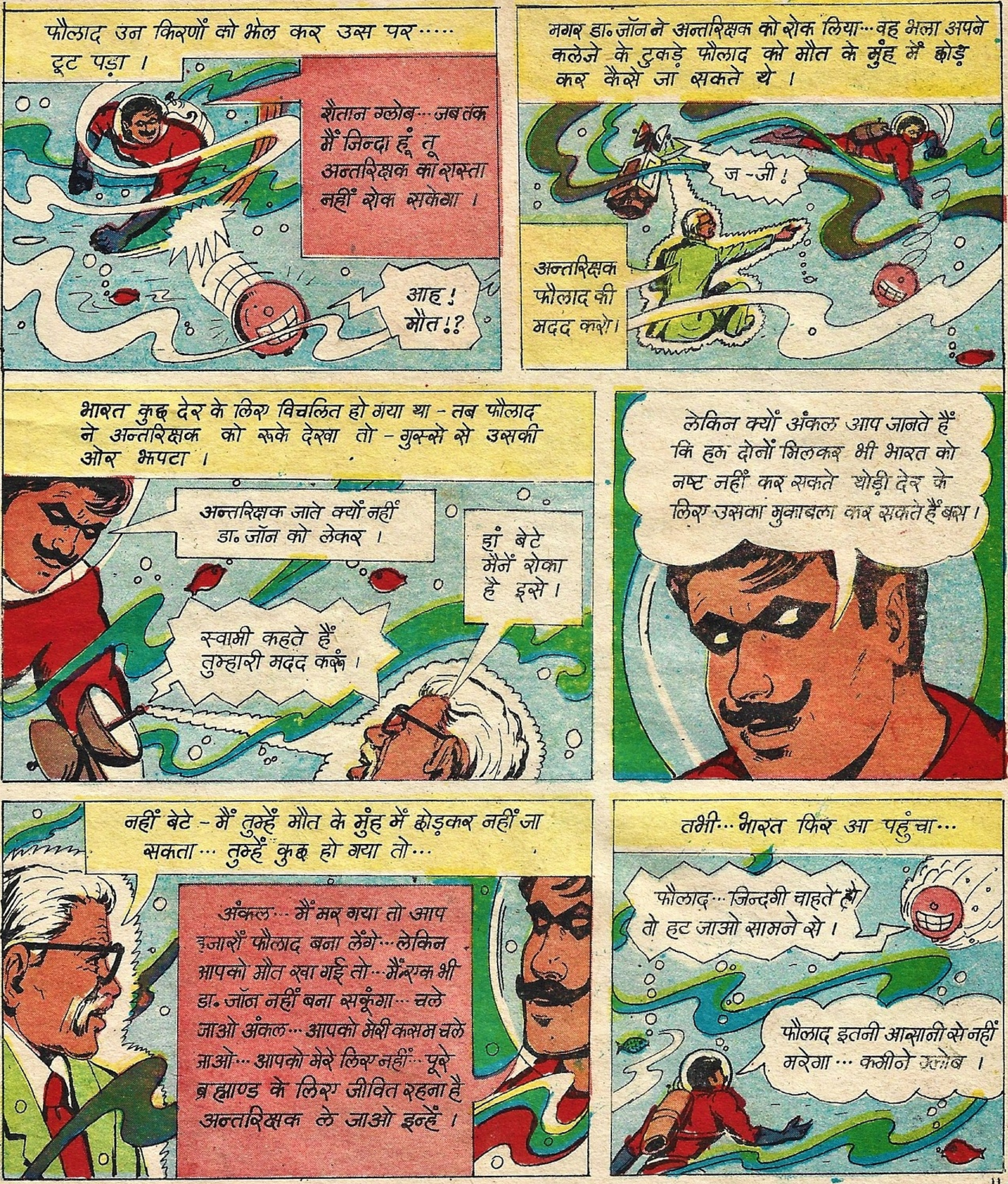
फौलाद उन किरणों को झेल कर उस पर..... टूट पड़ा।
शैतान ग्लोब... जब तक मैं जिन्दा हूं तू अन्तरिक्षक का रास्ता नहीं रोक सकेगा।
आह! मौत!?
मगर डा॰ जॉन ने अन्तरिक्षक को रोक लिया... वह भला अपने कलेजे के टुकड़े फौलाद को मौत के मुंह में छोड़ कर कैसे जा सकते थे।
अन्तरिक्षक फौलाद की मदद करो।
ज-जी!
भारत कुछ देर के लिए विचलित हो गया था - तब फौलाद ने अन्तरिक्षक को रुके देखा तो - गुस्से से उसकी ओर झपटा।
अन्तरिक्षक जाते क्यों नहीं डा॰ जॉन को लेकर।
हां बेटे मैंने रोका है इसे।
स्वामी कहते हैं तुम्हारी मदद करूं।
लेकिन क्यों अंकल आप जानते हैं कि हम दोनों मिलकर भी भारत को नष्ट नहीं कर सकते थोड़ी देर के लिए उसका मुकाबला कर सकते हैं बस।
नहीं बेटे - मैं तुम्हें मौत के मुंह में छोड़कर नहीं जा सकता... तुम्हें कुछ हो गया तो...
अंकल... मैं मर गया तो आप हजारों फौलाद बना लेंगे... लेकिन आपको मौत खा गई तो... मैं एक भी डा॰ जॉन नहीं बना सकूंगा... चले जाओ अंकल... आपको मेरी कसम चले जाओ... आपको मेरे लिए नहीं... पूरे ब्रह्माण्ड के लिए जीवित रहना है अन्तरिक्षक ले जाओ इन्हें।
तभी... भारत फिर आ पहुंचा...
फौलाद... जिन्दगी चाहते हो तो हट जाओ सामने से।
फौलाद इतनी आसानी से नहीं मरेगा... कमीने ग्लोब।

फौलाद ने कोनिया किरणें छोड़ीं···।
बस तेरी कोनिया किरणों से खतरा है··· फौलाद इसीलिए यहां रूका हुआ हूं··· इन किरणों को बनाया जा रहा है···।
बच गया···।
जवाब में भारत ने हमला किया।
आह! स्नायु कमजोर पड़ने लगे ··· उफ··· बचूं वरना··· मौत··!!
फौलाद बचकर निकला और गुस्से में एक बार फिर घूंसा चला दिया।
कर··र···फिर चोट!
भारत कलाबाजियां खाता हुआ काफी दूर चला गया··· उसने तुरन्त कन्ट्रोलरूम से सम्पर्क किया।
कन्ट्रोलर··· कम्प्यूटर और रॉबट भेजो··· फौरन-!
जो आज्ञा
बचाव के लिए भारत पानी से निकला·····
जाता कहां है··· शैतान··!
भारत के आदेश पर टापू से रॉबट और···कम्प्यूटर निकले - ऐसे चार कम्प्यूटर फौलाद ने कोनिया किरणों से नष्ट किए थे। वह सब फौलाद को घेरने लगे।
सावधान! सब कोनिया किरणों से और इसके घूंसों से बचे रहना···।
···अलविदा डा॰ जॉन··· अब आपका बेटा मौत के घेरे में है। बचना मुश्किल है।

भारत ने कम्प्यूटरों तथा रॉबटों को आदेश दिया ।
इतना ख्याल रखना कि यह मर न पाए ।
जो आज्ञा स्वामी ।
फिर एक साथ सबने फौलाद पर हमला किया··· मगर फौलाद भी बचाव के लिए तैयार था···
फौलाद जानता था कि भारत का वह कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता - अलबत्ता बाकी सब पर उसकी कोनिया किरणें असर करेंगी ।
मूर्खो··· बचो··· इस के हमले से··· इस पर एक्स··· और नार्टन किरणें फैंको एक्स किरणें इसके पूरे सिस्टम को जाम कर देगी··· और नर्टन किरणें आघात पहुंचायेंगी ।
धड़ाम
फिर हर तरफ से फौलाद पर एक्स और नार्टन किरणें फैंकी गईं···फौलाद को बचाव करना भी मुश्किल हो गया ।
और वह ज्यादा देर बचाव न कर सका·····
आ··SSSS··ह·····

Scan & editing by Rahul Dubey

अंगोवा ग्रह पर····· जिस रॉकेट से फौलाद अन्तरिक्षक के साथ पृथ्वी पर आया था - उसी रॉकेट द्वारा अन्तरिक्षक डा॰ जॉन को लेकर यहां पहुंच चुका था।
अंगोवा ग्रह पर आपका स्वागत है, डा॰ जान
मुझे बहुत अफसोस है, कि अपनी एक भूल के कारण इन हालातों में मुझे आना पड़ा - आप सबकी परेशानी का मुख्य कारण मैं हूं न ग्लोब का निर्माण करता न यह मुसीबत पैदा होती।
तभी खबर पाकर महारानी राबूनिया के साथ लम्बू भी आ पहुंचा
अंकल आप अकेले आए हैं!?··· इसका मतलब फौलाद!
हां - फौलाद को मौत के मुंह में छोड़ आया हूं····· तुम्हारा अपराधी हूं मैं -।
अंकल,··· आप यहां आगए हैं, मेरी चिन्ता खत्म हुई ··· अब मैं अन्तरिक्षक के साथ पृथ्वी पर जाऊंगा -।
तभी कमरे में खतरे का सायरन गूंज उठा···उसके साथ ही कन्ट्रोलर की भयभीत आवाज भी -।
टन टन ट न न न टन टन
म···महामहिम···भारत आ गया···स्क्रीन पर साफ नजर आ रहा है···।
लम्बू··· अन्तरिक्षक ··· तुम जाओ भारत को रोको··· जब तक मैं संकेत न भेजूं उन्हें किसी हालत में इस ग्रह पर मत आने देना···। आप लोग मुझे प्रयोगशाला में ले चलें।
चलिए
जो आज्ञा स्वामी-।
ऐसा ही होगा अंकल
कुछ देर बाद···अंगोवा ग्रह से दूर·· अन्तरिक्ष में -।
वह रहा भारत
मैं तैयार मित्र!

इसे कोनिया किरणों से रोका जा सकता है
मेरा ख्याल है, अब ऐसा नहीं होगा - कोनिया किरणों की वजह से वह काफी चोट खा चुका है - उस पर डबल सिक्स किरणें फैंकना... शायद कुछ सफलता मिले ।
और भारत ... जिसे अब किसी का डर नहीं था ... अन्तरिक्षक और लम्बू को सामने देखते ही उसने हमला कर दिया ।
फिक्र मत करो प्यारे
एक्स किरणें ... लम्बू सावधान
पहले कुछ बात चीत हो जाये भारत ... मैं फौलाद के बारे में जानना चाहता हूं ।
वह जीवित है, मगर अब तुम्हारे काम का नहीं रहा ... भूल जाओ उसे ... और तुम भी मेरा रास्ता छोड़ दो वरना मारे जाओगे ।
मगर उससे पहले ही अन्तरिक्षक ने डबल सिक्स किरणें छोड़ दीं ।
चर चर
चर चर
उसी समय लम्बू उससे जा टकराया
तड़ाक
उफ ... सुरक्षा किरणों के घेरे में है ... जितनी चोट उसे लगी उतनी ही मुझे लगी ।
आह
भारत तेजी से लम्बू की ओर झपटा क्योंकि लम्बू कमजोर पड़ गया था - उसे खत्म करने का यह एक अच्छा अवसर था भारत के पास
भारत ... जाता कहां है ... यह ले चुम्बकीय किरणें ... तू अब हिल भी नहीं सकता ।
स्तब्ध कर दिया उसने ... मगर यह सब बेकार है ... मैं अभी किरणों का प्रभाव समाप्त कर दूं ।
उफ ... सिर चकरा रहा है ।

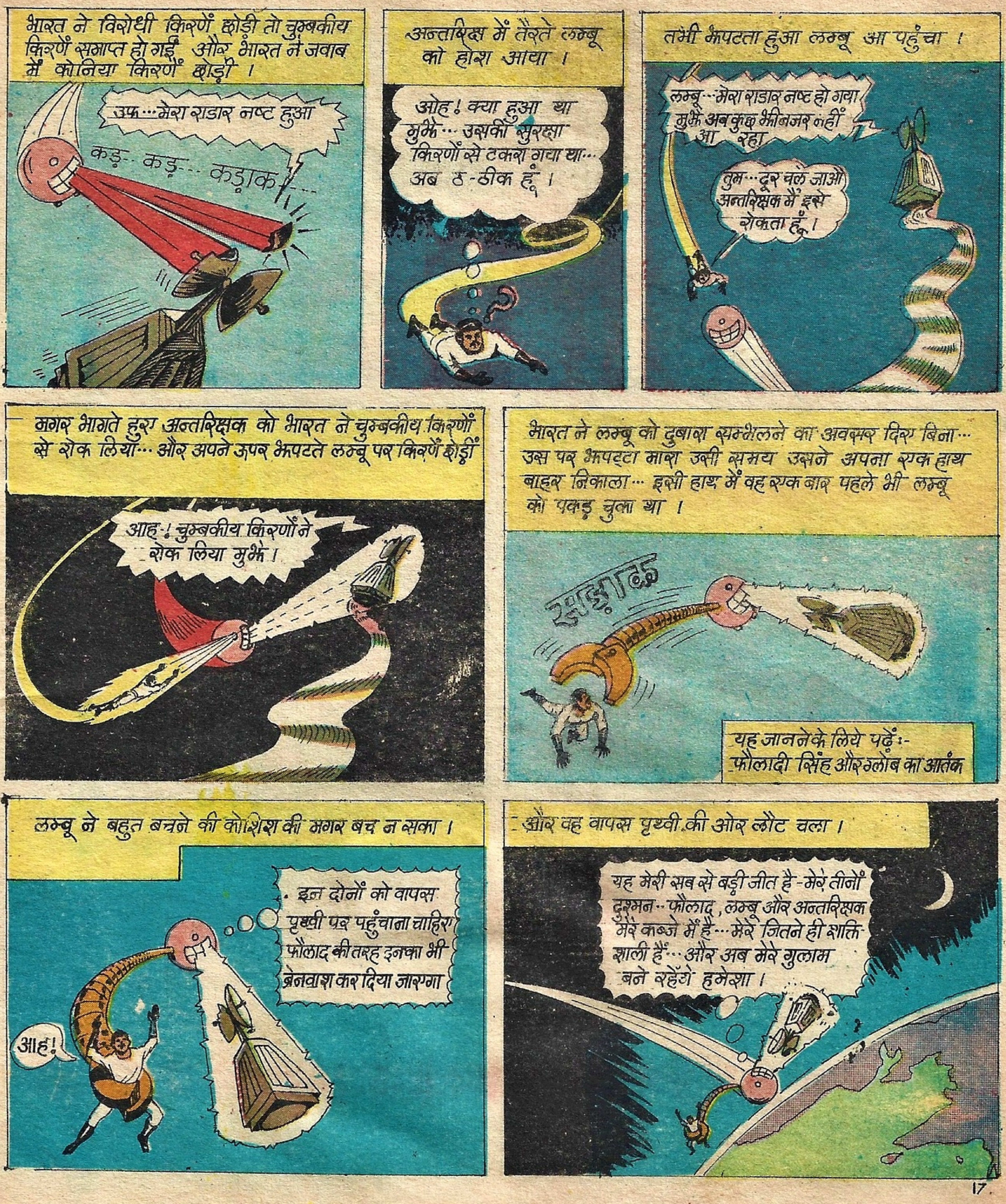
भारत ने विरोधी किरणें छोड़ी तो चुम्बकीय किरणें समाप्त हो गईं, और भारत ने जवाब में कोनिया किरणें छोड़ीं ।
उफ...मेरा राडार नष्ट हुआ
कड़...कड़...कड़ाक
अन्तरिक्ष में तैरते लम्बू को होश आया ।
ओह! क्या हुआ था मुझे... उसकी सुरक्षा किरणों से टकरा गया था... अब ठ-ठीक हूं ।
तभी झपटता हुआ लम्बू आ पहुंचा ।
लम्बू...मेरा राडार नष्ट हो गया मुझे अब कुछ भी नजर नहीं आ रहा
तुम...दूर चले जाओ अन्तरिक्षक मैं इसे रोकता हूं ।
मगर भागते हुए अन्तरिक्षक को भारत ने चुम्बकीय किरणों से रोक लिया... और अपने ऊपर झपटते लम्बू पर किरणें छोड़ीं
आह! चुम्बकीय किरणों ने रोक लिया मुझे ।
भारत ने लम्बू को दुबारा सम्भलने का अवसर दिए बिना... उस पर झपट्टा मारा उसी समय उसने अपना एक हाथ बाहर निकाला... इसी हाथ में वह एक बार पहले भी लम्बू को पकड़ चुका था ।
खड़ाक
यह जानने के लिये पढ़ें:- फौलादी सिंह और ग्लोब का आतंक
लम्बू ने बहुत बचने की कोशिश की मगर बच न सका ।
इन दोनों को वापस पृथ्वी पर पहुंचाना चाहिए फौलाद की तरह इनका भी ब्रेनवाश कर दिया जाएगा
आह!
और वह वापस पृथ्वी की ओर लौट चला ।
यह मेरी सब से बड़ी जीत है-मेरे तीनों दुश्मन...फौलाद, लम्बू और अन्तरिक्षक मेरे कब्जे में हैं...मेरे जितने ही शक्तिशाली हैं...और अब मेरे गुलाम बने रहेंगे हमेशा ।

इधर··· अंगोवा ग्रह की प्रयोगशाला में डा॰ जॉन ऐसी किरणें बना रहे थे जो अंगोवा ग्रह की रक्षा कर सकें।
मित्र मागूम्बा···इन किरणों को मैं 'हन्टर' नाम दूंगा-यह अंगोवा ग्रह को चारों ओर से ढक लेंगी
आपने इतनी जल्दी यह किरणें अविष्कृत कर लीं, मुझे आश्चर्य है।
आश्चर्य की कोई बात नहीं, तुम्हारे वैज्ञानिकों ने सोले··· मून··· और···सब किरणों का अविष्कार किया था-मैंने इन तीनों को मिलाकर हण्टर किरणें बना दीं-फार्मूला तैयार है अब अपने वैज्ञानिकों को आदेश दे दिया वह इनको काफी मात्रा में तैयार करें···।
साधन उपलब्ध है, देर नहीं होगी··!
तभी दीवार में लगी स्क्रीन पर आपरेटर की आकृति उभरी।
स्वामी··आपके आदेश पर हम भारत पर नजर रखे हुए थे-लम्बू और अन्तरिक्ष को भारत ने हरा दिया और पृथ्वी की ओर लौट रहा है।
यह बुरा हुआ, मित्र
मेरे ख्याल में यह ठीक हुआ-उसे यहां लौटने में अब कुछ समय लगेगा तब तक हम उससे निबटने की तैयारी कर लेंगे।
मैंने तो सुना था-वह आपको और आप उन्हें बेहद प्यार करते हैं?
आपने ठीक सुना था-मगर इस समय पूरा ब्रह्माण्ड खतरे में है-अगर मैं अपने दोनों बेटों के बदले में ब्रह्माण्ड की रक्षा कर सका तो···वह अमर हो जायेंगे। और मेरा विश्वास है उनका बलिदान व्यर्थ न जायेगा···।
मागुम्बा डा॰ जॉन द्वारा तैयार किया गया हण्टर किरणों का फार्मूला लेकर चला गया और डा॰ जॉन अपने काम में व्यस्त हो गए···
अब मैं कोमा किरणें बनाऊंगा···जिसकी एक हल्की सी चमक भी बड़े से बड़े ग्रह के अस्तित्व को मिटा सकती है।

Scan & editing by Rahul Dubey

और सचमुच उन्हें रूक जाना पड़ा-अंगोवा ग्रह हण्टर किरणों के घेरे में था ।
मुझे पहले ही मालूम था कि डा॰ जॉन कुछ न कुछ रूकावट खड़ी कर चुका होगा-पूरा ग्रह अभेद सुरक्षा किरणों के घेरे में है ।
तभी अन्तरिक्ष में डा॰ जॉन का स्वर गूंज उठा ।
ग्लोब मैं तुम्हारा निर्माता हूं-इस बात की भी खुशी है-मगर अब तुम खुद निर्माता बन गए हो-इस लिए तुम्हारा सर्वनाश निश्चित हो गया है…
मैं तुम्हारी कोई बकवास नहीं सुनना चाहता-तुमने अंगोवा ग्रह की रक्षा कर ली - लेकिन इसके अलावा और भी तो ग्रह हैं, मैं जानता हूं दस ग्रहों के सम्राट यहां हैं - वह सब अंगोवा ग्रह की मदद कर रहे हैं इसका परिणाम उन्हें भुगतना पड़ेगा मैं उनके ग्रहों को तबाह कर दूंगा… उनसे कह दें कि वह अब अपनी तबाही का तमाशा देखने के लिए तैयार हो जायें ।
वहां भी तुम्हें हार माननी पड़ेगी भारत सुरक्षा किरणों का फार्मूला प्रत्येक ग्रह पर भेजा जा चुका है-वह सब अपने ग्रह को सुरक्षित कर चुके होंगे ।
ठीक है, डा॰ जॉन ऐसा ही सही मैं वापस पृथ्वी पर जा रहा हूं… तुम्हें पृथ्वी से अधिक प्यार है इन ग्रहों से नहीं हो सकता-मैं पृथ्वी को मिटा दूंगा ।
अंगोवा ग्रह के कन्ट्रोल रूम में…
सम्राट मागुम्बा… आप टैलीपैथी से आदेश दे सकते हैं… फौलाद और लम्बू को उसी प्रकार-डा॰ रोबी* को आपने आदेश दिए थे - और उनकी स्मरण शक्ति लौट आई थी ।
एकान्त चाहिए… मैं अपने कक्ष में चलता हूं ।
* यह जानने के लिए पढ़ें फौलादी सिंह और ग्लोब का आतंक ।
अपने शयन कक्ष में सम्राट मागुम्बा…।
फौलाद… फौलाद… लम्बू… सुनो… मेरी आवाज सुनो… अपने स्मृति पटल पर जोर डालो… फौलाद… लम्बू

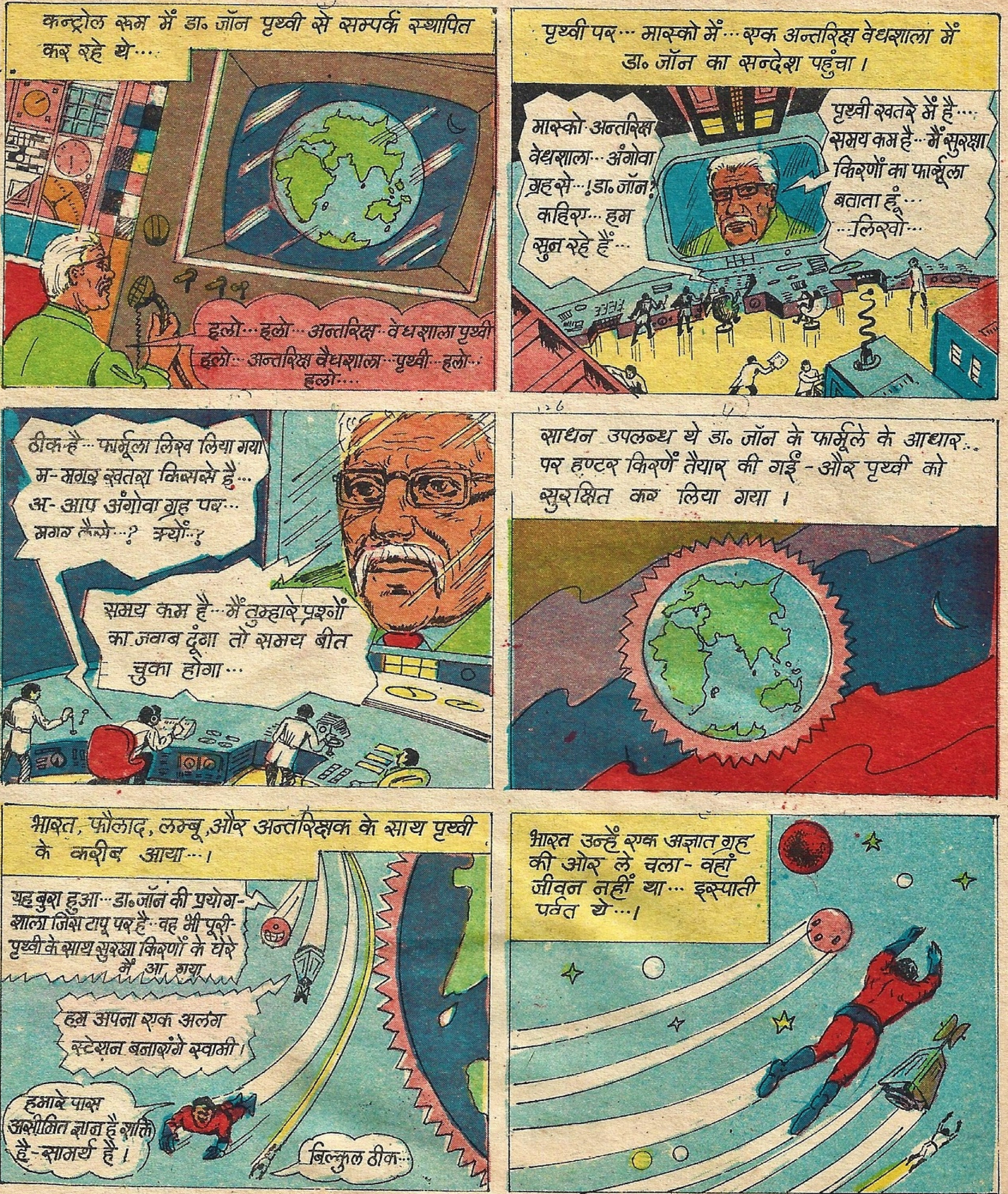
कन्ट्रोल रूम में डा॰ जॉन पृथ्वी से सम्पर्क स्थापित कर रहे थे…
हलो… हलो… अन्तरिक्ष वेधशाला पृथ्वी हलो… अन्तरिक्ष वैधशाला… पृथ्वी… हलो… हलो…
पृथ्वी पर… मास्को में… एक अन्तरिक्ष वेधशाला में डा॰ जॉन का सन्देश पहुंचा।
मास्को अन्तरिक्ष वेधशाला… अंगोवा ग्रह से…! डा॰ जॉन? कहिए… हम सुन रहे हैं…
पृथ्वी खतरे में है… समय कम है… मैं सुरक्षा किरणों का फार्मूला बताता हूं… …लिखो…
ठीक है… फार्मूला लिख लिया गया म-मगर खतरा किससे है… अ-आप अंगोवा ग्रह पर… मगर कैसे…? क्यों…?
समय कम है… मैं तुम्हारे प्रश्नों का जवाब दूंगा तो समय बीत चुका होगा…
साधन उपलब्ध थे डा॰ जॉन के फार्मूले के आधार पर हण्टर किरणें तैयार की गईं - और पृथ्वी को सुरक्षित कर लिया गया।
भारत, फौलाद, लम्बू, और अन्तरिक्षक के साथ पृथ्वी के करीब आया…।
यह बुरा हुआ… डा॰ जॉन की प्रयोग-शाला जिस टापू पर है… वह भी पूरी-पृथ्वी के साथ सुरक्षा किरणों के घेरे में आ गया
हम अपना एक अलग स्टेशन बनाएंगे स्वामी।
हमारे पास असीमित ज्ञान है शक्ति है-सामर्थ है।
बिल्कुल ठीक…
भारत उन्हें एक अज्ञात ग्रह की ओर ले चला- वहां जीवन नहीं था… इस्पाती पर्वत थे…।

इस्पाती पर्वतों को गला कर उन्हें एक मीनार का रूप दिया गया… अन्य ग्रहों से खनिज खोज कर लाए गए और निर्माण पूरा किया गया… इस मीनार में आवश्यकता के सभी उपकरण मौजूद थे…।
अन्तरिक्षक… कुछ मास्टर रॉबट और कम्प्यूटर बनाने होंगे ताकि बाकी का सारा काम तथा इस स्टेशन की रक्षा कर सकें।
हमारा भी यही विचार है, स्वामी
उस वीरान ग्रह का और उस पर स्थापित उस मीनार का नाम रखा गया ड्रीम लैण्ड उसके अन्दर… कर्मशाला में….
कम्प्यूटर… जीरो और रॉबट मास्टर तैयार है स्वामी… इनमें कोई कमी नहीं -हमारी आवश्यकता इन्हें नहीं पड़ेगी… अपना समस्त ज्ञान इन्हें दे दिया गया -।
शाबाश -अन्तरिक्षक … अब प्रयोगशाला में चलो… हम डा॰ जॉन की सुरक्षा किरणों की काट तैयार करेंगे।
भारत और अन्तरिक्षक सुरक्षा किरणों की काट तैयार करने के लिए प्रयोगशाला में चले गए -और फौलाद लम्बू के साथ ब्रह्माण्ड में ग्रहों की खोज करने लगा -।
सफलता फौलाद को मिली -।
स्वामी… एक अन्य सौर-मण्डल… जिसमें चालीस छोटे-बड़े ग्रह हैं -।
बधाई हो फौलाद…! अब तुम लम्बू के साथ उस सौर मण्डल में जाओ-और पता लगाओ कितने ग्रहों पर जीवन है…।

उधर··· अंगोवा ग्रह पर···
सम्राट मागूम्बा दूरी अधिक होने के कारण फौलाद और लम्बू को अपनी टैलीपैथी पावर से आदेश न दे सका था ।
डा॰ जॉन··· वह बहुत दूर है···।
कोशिश जारी रखो और सुनो··· मैंने वह ग्रह खोज लिया जहाँ भारत है···।
···अ-और दोनों···वह चल पड़े···वह निकट आ रहे हैं··· वह दिशा बदल भी सकते हैं··· उनसे सम्पर्क करो··· ···जल्दी !
ठीक है··· कोशिश करता हूं।
सम्राट मागूम्बा ने अपने सिर पर बंधी टैलीपैथी शक्ति युक्त पट्टी को चालू किया···
फौलाद···और लम्बू··· अब काफी निकट आ गये थे···मागूम्बा के विचार उनके मस्तिष्क में उभरने लगे···।
फौलाद··· लम्बू सुनो सुनो-मेरी आवाज सुनो··· अपने अतीत को याद करो··· स्मृति पट पर विचार अंकित होने दो···
उंह···कोई कुरेद रहा है··· मेरा मस्तिष्क···गड़बड़···याद करूं मगर क्या-क्या है मेरा अतीत
धुंधला···अस्पष्ट··· कुछ भी याद नहीं···उफ··· कोई ठोक रहा है दिमाग···
ड्रीमलैण्ड पर··· भारत ने कुछ महसूस किया···।
खतरा···!···!···फौलाद और लम्बू के मस्तिष्क को काबू में करने की चेष्टा···मुझे चलना चाहिए··· मानसिक तरंगों से प्रभावित किया जा रहा है उन्हें···।
बहुत दूर नहीं है··· शीघ्र पहुंच जाऊंगा···म-मगर यह है कौन··· शायद···मागूम्बा···

और वह पहुंच गया... ठीक समय पर
मैं आ गया - फौलाद लम्बू
आह!..स..स्वामी... दिमाग फटा जा रहा है...
कोई आदेश दे रहा है...हमारा अतीत क्या है स्वामी...वह उसे याद करने का आदेश दे रहा है।
चलो... मैं भी चलता हूं तुम्हारे साथ... मागुम्बा। मानवीय मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है... मुझे नहीं...
सम्पर्क खत्म...उफ... अब चैन मिला।
हां... अब कुछ नहीं सब ठीक है...
Scan & editing by Rahul Dubey
मागुम्बा के कक्ष में...
रहने दो सम्राट मागुम्बा... भारत उनकी मदद कर रहा है... वह एक अन्य सौर मण्डल में जा रहे हैं चालीस ग्रहों के समूह में...
ओह! इतना परिश्रम... थक गया मैं... सब व्यर्थ रहा...
फिर... टेकना ग्रह की महारानी राबूनिया के कक्ष में।
महारानी राबूनिया... अपने चालीस ग्रहों के समूह के बारे में जिक्र किया था... मुझे आपकी जानकारी की जरूरत है।
धन्यवाद
मैं आती हूं-आपके पास।
कुछ देर बाद...
पूरे समूह का अध्ययन हम नहीं कर सके... दस बड़े ग्रहों का अध्ययन किया उनमें से चार ग्रहों पर जीवन के लक्षण नजर आये थे ... मगर यह सब आपने पूछा क्यों...?
हम कर भी क्या सकते हैं-उस ओर ध्यान देने से समय नष्ट होगा... और कुछ नहीं।
ग्लोब उस ओर जा रहा है-अगर वहां जीवन है तो... वह नष्ट कर देगा... फौलाद और लम्बू उसके साथ हैं... न जाने क्या होगा वहां?

इधर फौलाद भारत और लम्बू के साथ चालीस ग्रहों के समूह में घुस चुका था··· ।
फौलाद··· खुशखबरी! उस ग्रह पर जीवन है···मैं स्पस्ट अनुभव कर रहा हूं···वहां का विज्ञान बहुत विकसित है ।
हम उसी पर हमला करें स्वामी !
वह तो निश्चित ही है ।
भारत ने··· चैलेंज देना शुरू किया···
सावधान···मैं ब्रह्माण्ड का भावी सम्राट···तुम्हें आदेश देता हूं··· मेरी आधीनता स्वीकार करो···
उस ग्रह के कन्ट्रोल रूम में उन्हें देखा व सुना जा रहा था ।
तुम कौन हो···कहां से आए हो ?··· यह नाटों ग्रह है··· क्या चाहते हो तुम ?
इस ग्रह पर अधिकार··· हम सर्वशक्तिमान हैं ।
कुछ देर बाद··· नाटों ग्रह के सम्राट··· बोरीस की आवाज सुनाई दी ।
हम···युद्ध नहीं चाहते···हम खुशहाल हैं··· शक्तिशाली भी हैं··· अगर मित्रता चाहते हो तो स्वागत है···।
नहीं···सम्राट बोरिस··· हम शासन करेंगे··· क्यों कि शक्तिशाली हैं ।
एक नमूना देखो··· प्यारे सम्राट···!
भारत ने··· एक किरण छोड़ी

पूरा शहर आग में घिर गया
दूसरे शहर पर ... एक किरण जमीन से टकराई
उसी क्षण... जमीन में से पानी की धार फूट निकली शहर डूबने लगा।
तबाही देखकर ... सम्राट बोरिस चीख उठा
बन्द करो यह विनाश ... बन्द करो ... तुमने महज शक्ति प्रदर्शन में हजारों प्राणी मार डाले ... हम हार गए ... हमें आधीनता स्वीकार है।
फिर... राजभवन में...
तुम मेरे प्रतिनिधि के रूप में शासन करोगे..।
ऐसा ही होगा सर्वशक्तिमान!
फौलाद ... मैं यहां कि प्रयोगशालायें देखूंगा - तुम लम्बू को साथ लेकर ... पड़ोसी ग्रह पर पहुंचो ...।
जो आज्ञा स्वामी।

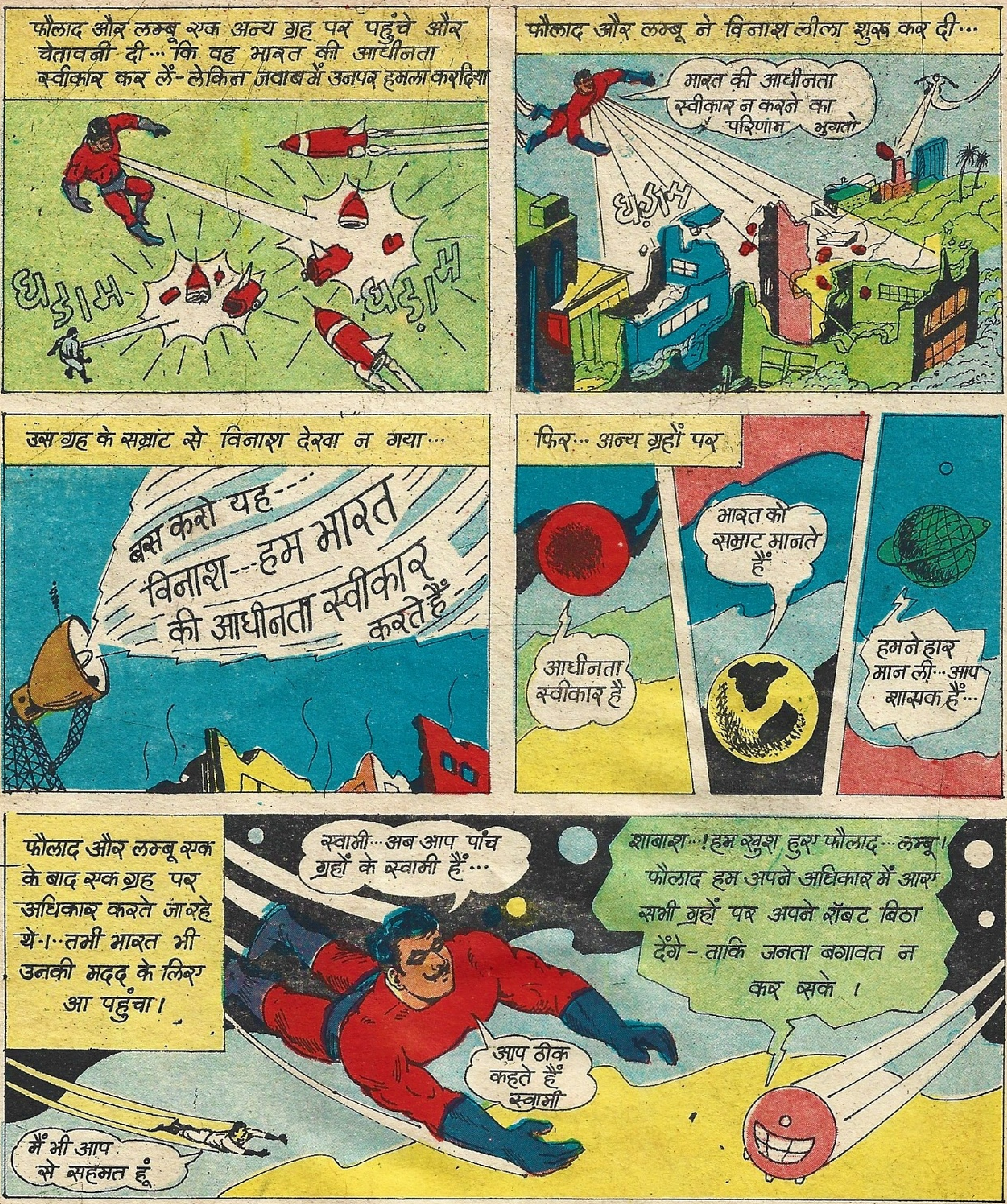
फौलाद और लम्बू एक अन्य ग्रह पर पहुंचे और चेतावनी दी··· कि वह भारत की आधीनता स्वीकार कर लें- लेकिन जवाब में उनपर हमला करदिया
धड़ाम
धड़ाम
फौलाद और लम्बू ने विनाश लीला शुरु कर दी···
भारत की आधीनता स्वीकार न करने का परिणाम भुगतो
धड़ाम
उस ग्रह के सम्राट से विनाश देखा न गया···
बस करो यह---- विनाश---हम भारत की आधीनता स्वीकार करते हैं
फिर··· अन्य ग्रहों पर
आधीनता स्वीकार है
भारत को सम्राट मानते हैं
हमने हार मान ली···आप शासक हैं···
फौलाद और लम्बू एक के बाद एक ग्रह पर अधिकार करते जा रहे थे।।तभी भारत भी उनकी मदद के लिए आ पहुंचा।
स्वामी···अब आप पांच ग्रहों के स्वामी हैं···
शाबाश···!हम खुश हुए फौलाद···लम्बू। फौलाद हम अपने अधिकार में आए सभी ग्रहों पर अपने रॉबट बिठा देंगे- ताकि जनता बगावत न कर सके।
आप ठीक कहते हैं स्वामी
मैं भी आप से सहमत हूं

उधर अंगोवा ग्रह पर... डा० जॉन अब तक चालीस ग्रहों के बारे में पूरी जान-कारी प्राप्त कर चुके थे- और उस समूह में अपना जासूस कम्प्यूटर छोड़ दिया था - जिसके माध्यम से डा० जॉन... सब कुछ देख रहे थे ।
वह...टुम्बा ग्रह की ओर जा रहे हैं ।
क्यों न मैं उसके ड्रीमलैण्ड जाकर उसके सेवकों को अपना सेवक बना लूँ... भारत बहुत दूर है - उसे लौटने में काफी समय लगेगा ।
डा० जॉन ने अपने आपको सुरक्षा किरणों से लैस किया... और फौलाद वाली ड्रैस पहनी जिसे उन्होंने यहीं पर तैयार किया था सम्राट मागुम्बा को सूचना देकर ड्रीमलैण्ड की ओर-रवाना हो गये ।
जैसे ही उन्होंने ड्रीमलैण्ड में प्रवेश किया... अन्तरिक्षक उनके सामने आ गया ।
ओह ! अन्तरिक्षक आ रहा है, पहले इसी को काबू में करूँ ।
डा० जॉन मेरे स्वामी को तुम्हारी बहुत जरूरत थी, तुम खुद ही आ गये यह बहुत अच्छा हुआ ।
भारत को बनाते समय जो गलती मैंनें की थी वह गलती तुम्हें बनाने में नहीं की थी अन्तरिक्षक, तुम्हारे निचले हिस्से में मैंनें एक स्विच लगाया था - जिसका सम्बन्ध तुम्हारे मस्तिष्क के सर्किट से है - उस स्विच के टूटते ही तुम्हारे दिमाग का सर्किट फुक जायगा... और तुम बेकार हो जाओगे ।
डा० जान बड़ी तेजी से अन्तरिक्षक के निचले हिस्से की ओर झपटे ।

Scan & editing by Rahul Dubey

कुछ देर बाद...
अन्तरिक्षक अब डा॰ जान का आज्ञाकारी था।
अन्तरिक्षक, तुम मेरे प्रतिनिधि बनकर यहां रहोगे - प्रत्यक्ष में तुम भारत के सेवक बने रहोगे - लेकिन मुझे हर पल की सूचना देते रहोगे।
आपकी आज्ञा का पालन होगा स्वामी।
उसके बाद डा॰ जॉन ने कम्प्यूटर जीरो का सर्किट बदला।
...फिर मास्टर रॉबट का।
बाद में डा॰ जान ने कन्ट्रोलिंग प्लेट का फ्यूज भी लगा दिया।
अब यहां का नियन्त्रण डा॰ जॉन के हाथ में था...
मैं अब लौटता हूं अन्तरिक्षक.. ध्यान रखना भारत को मालूम न होने पाए मैं यहां आया था - तुम उसके आदेशों का पालन करना मगर मुझसे अनुमति अवश्य लेना।
ऐसा ही होगा स्वामी।
फौलाद और लम्बू को किसी भी तरह पूर्व स्थिति में लाना है - यह सब काम भारत की नजर बचा कर करने हैं।
आप फिक्र न करें... मैं सब सम्भाल लूंगा।
और डा॰ जॉन वापस अंगोवा ग्रह की ओर रवाना हो गए।

अंगोवा ग्रह लौट कर···
मैनें पक्का बन्दोबस्त कर दिया··· बस ग्लेब को घेरना बाकी है।
सच··· आप महान हैं, डा॰ जॉन
आपका यह सहयोग··· हमेशा याद रहेगा।
याद मुझे भी रहेगा··· अब एक बार वह फंस जाये मेरे जाल में··· मैं चल कर देखता हूं - वह क्या कर रहा है।
कन्ट्रोल रूम में···
वह तबाही मचा रहे हैं।
विवश और लाचार डा॰ जान को वह सब देखना पड़ रहा था।
वह शानू ग्रह पर थे··· ग्रह के सम्राट ने आधीनता स्वीकार न की थी इसलिए उसे यह तबाही देखनी पड़ रही थी···
अब भी समय है··· हथियार डाल दो, वरना एक भी प्राणी जीवित न बचेगा।
फिर क्या लाशों पर शासन करोगे?
मगर कुछ देर बाद··· जब सामरिक महत्व के सभी अड्डे नष्ट हो गए सेना नष्ट हो गई··· तब···
हम हार गए··· भारत··· काश पहले ही हमने तुम्हारी बात मान ली होती··· तुम वास्तव में सर्वशक्तिमान हो।
हा-हा-हा··· हम जानते थे अन्त में यही कहोगे···।

फिर राजदरबार में···
देखा फौलाद यह बन्दरमानव कितने खतरनाक है-इनकी सारी शक्ति निबट गई तब हार मानी है ।
यह मरने से नहीं डरते-इसलिए फिर बगावत करेंगे ।
वह इनकी मूर्खता होगी-अगर इन्होंने बगावत की तो मैं इस ग्रह पर एक भी बन्दरमानव को जीवित न छोडूंगा
युद्ध बहुत जीत लिए स्वामी··· अब हमें ड्रीमलैण्ड लौटना चाहिए
तुम ठीक कहते हो लम्बू··· इस सौर मण्डल के बीस ग्रहों पर हमारा अधिकार हो चुका··· पांच ग्रह और बाकी हैं···
उन पर फिर हमला करेंगे-अब हमें ड्रीमलैण्ड लौटना चाहिए-
हम बहुत दूर हैं···इसलिए मैं अन्तरिक्षक से सम्पर्क भी नहीं कर सका···
भारत··· फौलाद और लम्बू को वहीं छोड़ कर अकेला ही ड्रीमलैण्ड की ओर रवाना हो गया ।
यहां का काम फौलाद और लम्बू सम्भाल लेंगे-मुझे अपने ड्रीमलैण्ड की खबर लेनी चाहिये··।
लेकिन इस बीच सम्राट मागूम्बा ने टैलीपैथी पावर से फौलाद और लम्बू को पूर्वस्थिति में लाने की कोशिश की तो··· ऊंह··· दूरी बहुत है वह असफल रहेगा···अपने ग्रह से निकलने का साहस उसमें नहीं है-अगर निकला भी तो ड्रीमलैण्ड के कन्ट्रोल रूम में नजर आ जाएगा ।
ड्रीमलैण्ड में···
सब ठीक है, स्वामी, पचास रोबट बन चुके हैं ।
सब ठीक ठाक है, अन्तरिक्षक मेरे स्वागत के लिए आ रहा है··· हलो अन्तरिक्षक··?

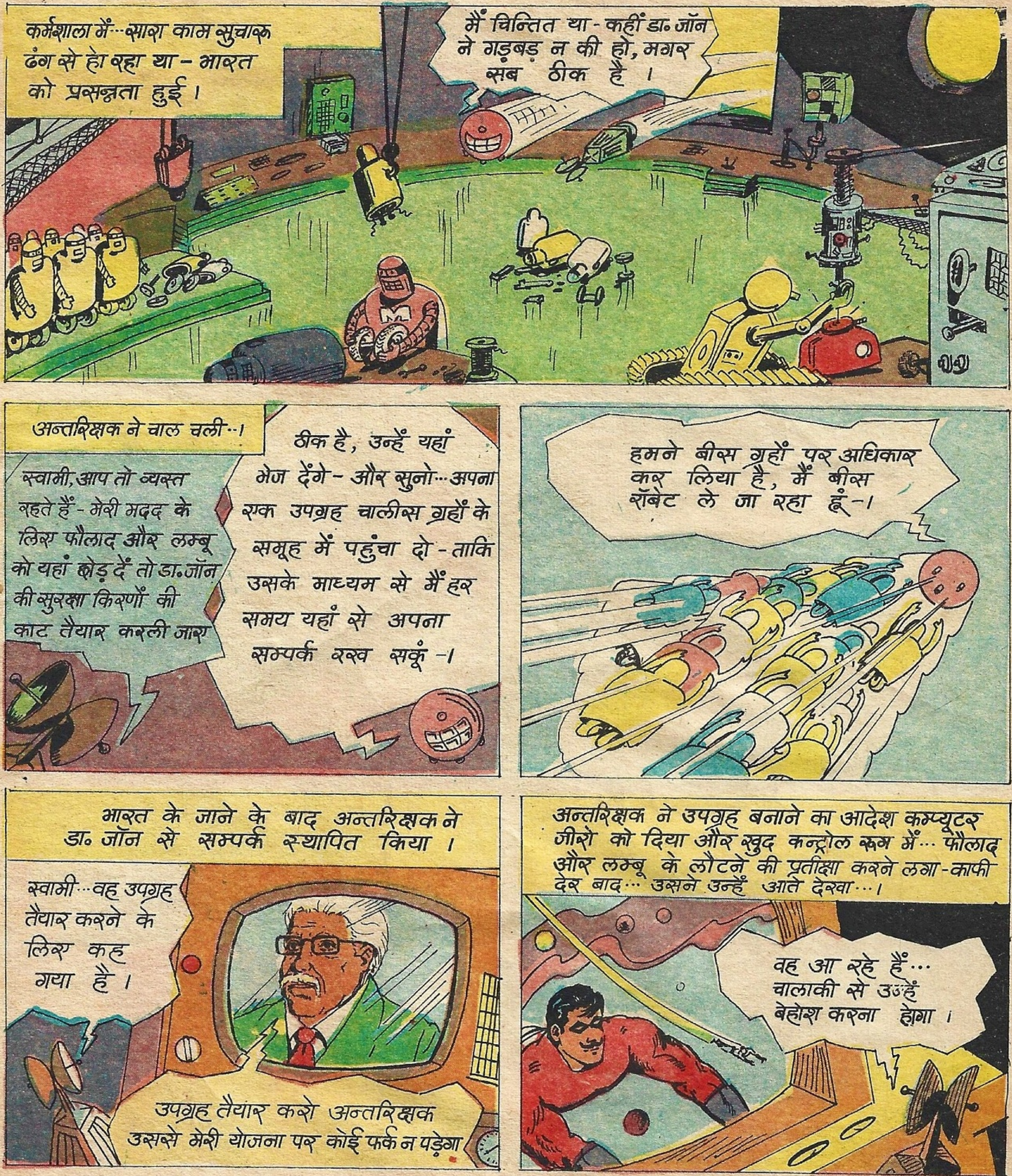
कर्मशाला में···सारा काम सुचारू ढंग से हो रहा था – भारत को प्रसन्नता हुई।
मैं चिन्तित था – कहीं डा॰ जॉन ने गड़बड़ न की हो, मगर सब ठीक है।
अन्तरिक्षक ने चाल चली···।
स्वामी, आप तो व्यस्त रहते हैं – मेरी मदद के लिए फौलाद और लम्बू को यहां छोड़ दें तो डा॰ जॉन की सुरक्षा किरणों की काट तैयार करली जाए
ठीक है, उन्हें यहां भेज देंगे – और सुनो···अपना एक उपग्रह चालीस ग्रहों के समूह में पहुंचा दो – ताकि उसके माध्यम से मैं हर समय यहां से अपना सम्पर्क रख सकूं –।
हमने बीस ग्रहों पर अधिकार कर लिया है, मैं बीस रॉबोट ले जा रहा हूं –।
भारत के जाने के बाद अन्तरिक्षक ने डा॰ जॉन से सम्पर्क स्थापित किया।
स्वामी···वह उपग्रह तैयार करने के लिए कह गया है।
उपग्रह तैयार करो अन्तरिक्षक उससे मेरी योजना पर कोई फर्क न पड़ेगा
अन्तरिक्षक ने उपग्रह बनाने का आदेश कम्प्यूटर जीरो को दिया और खुद कन्ट्रोल रूम में··· फौलाद और लम्बू के लौटने की प्रतीक्षा करने लगा – काफी देर बाद··· उसने उन्हें आते देखा···।
वह आ रहे हैं··· चालाकी से उन्हें बेहोश करना होगा।

अन्तरिक्षक ने उन्हें सन्देश दिया।
फौलाद... लम्बू... तुम थक गए होगे कुछ देर आराम करना चाहो तो अपने बैडरूम में चले जाना-।
हां थकान तो है,
आराम भी करेंगे... खाना भी खायेंगे।
दोनों स्टेशन के अन्दर बैडरूम में आ गये-।
मैं अभी सब इन्तज़ाम कर दूंगा... फौलाद... लम्बू-!
धन्यवाद... अन्तरिक्षक...
आ... हा... बहुत थकान है!
तभी...
कन्ट्रोल रूम में बैठे अन्तरिक्षक ने बैडरूम में एक्स किरने छोड़ दीं... यह किरणें मनुष्यों में मस्तिष्क को सुन्न कर देने वाली थीं... फौलाद और लम्बू की पोशाकें इन किरणों से उनकी रक्षा करने में असमर्थ थीं।
आह!... मस्तिष्क सुन्न होने लगा...
ध... धोखा हुआ- हमारे साथ...
और वह बेहोश हो गये-।
भारत बहुत दूर है उसे आभास न मिला होगा-अब इन्हें प्रयोगशाला में पहुंचाऊं-।
फिर... प्रयोगशाला में... अन्तरिक्षक उन्हें पूर्वस्थिति में लाने लगा-।
कुछ देर बाद...
बस काम पूरा हुआ... इनका मस्तिष्क अब पूर्वस्थिति में है... स्वतन्त्र है... होश में आने पर... खुद ही डा॰ जॉन को सूचना देंगे-।
Scan & editing by Rahul Dubey

उन्हें होश आया… दोनों सोचने लगे
ओह! बहुत देर बेहोश रहा… शायद स्वप्न देख रहा था - तबाही… विनाश उफ… म… मगर मैं तो भारत ने बेहोश कर दिया था… इ… इसका मतलब मैं कैद हूं…
अन्तरिक्षक का राडार टूट गया था… वह अन्धा था और मैं… मैं शायद बेहोश था… तो-क्या अब भारत की कैद में हूं-।
नहीं… मित्रो… आप आजाद हैं… मगर यह डा॰ जॉन की योजना है… कि आप प्रत्यक्ष में भारत के सेवक ही बने रहें… जब तक उसे सन्देह न होगा - तब तक वह एक्स-रे किरणों से हमारे मस्तिष्कों की जांच नहीं करेगा… और यदि…
फिर कन्ट्रोल रूम में… फौलाद ने डा॰ जॉन से सम्पर्क स्थापित किया -।
अंकल…आपकी योजना हमें पसन्द आई…
बहुत सावधानी से काम करना… वह "एक्स-रे" किरणों से तुम्हारे मस्तिष्क चैक कर सकता है।
मुझे भी अंकल… अब वह समय दूर नहीं जब कम्प्यूटर ग्लोब तबाह होगा -।
ऐसा तभी होगा अंकल जब उसे हम पर संदेह होगा - और हम ऐसा अवसर नहीं आने देंगे-।
ठीक है, अब भारत को घेरे में लिया जाएगा अब मुझसे सम्पर्क स्थापित मत करना - क्योंकि भारत के आदेश पर अन्तरिक्षक जो उपग्रह छोड़ने वाला है - उसके माध्यम से वह हमारी सब बातें सुन सकता है।
फिर… ड्रीमलैण्ड से एक उपग्रह छोड़ा गया।
उपग्रह… चालीस ग्रहों के समूह में स्थापित हो गया… उपग्रह ड्रीमलैण्ड के सम्पर्क में था… अतः भारत ने उपग्रह से सम्पर्क स्थापित कर लिया -।
अन्तरिक्षक …मैंने रॉबटों को सम्राट बना दिया है - वह मेरे आदेशों का पालन कर रहे हैं… तुम सब ठीक हो… सूचना दो -।
हम सब ठीक हैं स्वामी…

इस उपग्रह का यह भी लाभ था कि अंगोवा ग्रह से कहीं भी कोई सन्देश भेजा जाता अथवा प्राप्त होता… वह सब भारत सुन सकता था…।
इस सफलता पर आपको बधाई-डा॰ जॉन-। क्या आप वह फार्मूला मेरे पास भेज रहे हैं…
बबालो ग्रह के सम्राट जोरों को… डा॰जॉन का प्रणाम… आपको खुशखबरी देनी है - मैनें कोमा किरणें बना ली… जिसकी एक नन्ही सी किरण पूरे ग्रह को गायब कर सकती है… ग्लोब पल भर में खतम हो जाएगा…
अवश्य… डा॰रोबी का राकेट तुम्हारे पास पहुँचेगा…।
वह सारी बातचीत भारत ने भी सुनी… उसके मस्तिष्क पटल पर डा॰ जान और सम्राट जोरों की तस्वीरें भी आ गईं…।
वाह! बहुत ठीक समय पर आया उपग्रह… मैं पहले ही जानता था… डा॰ जॉन कुछ न कुछ करेगा…।
भारत डा॰ जॉन की चाल में फंस गया, और फार्मूला हथियाने की योजना बनाने लगा।
कहा था… डा॰ रोबी का राकेट आ रहा है… ठीक… अब मैं उनसे पहले ही अंगोवा ग्रह और बबालो ग्रह के बीच पहुंच जाऊं…
जैसे ही रॉकेट आएगा मैं उस पर कब्जा कर लूंगा - और कोमा किरणों का फार्मूला मेरा होगा… मैं कोमा किरणें बना लूंगा… उनसे पहले…।
और इधर…
अंगोवा ग्रह पर डा॰ जॉन मागुम्बा, राबुनिया डा॰रोबी और मोरवी को अपनी योजना समझा रहे थे-।
मैं जानता हूँ, वह डा॰रोबी के रॉकेट पर कब्जा कर लेगा - और कोमा किरणों का फार्मूला प्राप्त करके कोमा किरणें बना लेगा -
लेकिन जब वह कोमा किरणों का स्टाक अपने अन्दर रखेगा - तब उसकी गति थोड़ी सुस्त पड़ जाएगी… और उसकी "एक्स-रे"
किरणें भी हतिक हो जायेंगी- तब मैं अपनी योजना की दूसरी चाल चलूंगा - यानी वह चुम्बकीय शक्ति वाला राकेट- जिसे हम सब वैज्ञानिकों ने बनाया है वह भेजा जाएगा - उस पर कोमा किरणों का असर नहीं होता-।

मैं सम्राट जोरों से बात करूंगा - कोमा किरणों से बचाव करने वाला राकेट भेजा जा रहा है - आप उसमें बैठकर अंगोवा ग्रह पर आ जाइये
यह बात उपग्रह के माध्यम से भारत भी सुन लेगा - और उस राकेट को प्राप्त करने की पूरी चेष्टा करेगा - और जब वह उस राकेट के पास आएगा - तभी वह फंस जाएगा - उसकी "एक्स-रे" किरणें कोमा किरणों के दबाव से हतिक होगी इसलिए वह राकेट की असीमित चुम्बकीय शक्ति देख न सकेगा जबकि - वह रॉकेट उसे चुम्बकीय शक्ति से जकड़ लेगा
तब ग्लोब की ऐसी दशा होगी जैसे किसी आदमी की आखों पर पट्टी बांध दी जाए - वह अन्धा होकर रॉकेट सहित भागेगा··· तभी फौलाद, लम्बू···और अन्तरिक्षक आ जायेंगे - और बड़ी आसानी से उसके दिमाग का सर्किट जला देंगे - अथवा कोमा किरणों से उसे नष्ट कर देंगे -।
क्या हम उसी राकेट में कोमा किरणें नहीं रख सकते···ताकि फौलाद और लम्बू को जान जोखिम में न डालनी पड़े।
नहीं··· उस राकेट में अगर कोमा किरणों का स्टाक रखा गया तो - किरणों के दबाव से रॉकेट की गति भी सुस्त पड़ेगी और चुम्बकीय शक्ति भी आधी रह जाएगी।
उस हालत में ग्लोब को चुम्बकीय शक्ति से जकड़ा न जा सकेगा - क्यों कि उसमें असीमित बल है···।
तो इसलिए आपने सम्राट जोरो को उसके बबालो ग्रह पर भेज दिया था।
हां - उसे वापस अपने ग्रह पर भेजने का एक यह कारण भी था, दूसरा कारण यह था कि वह जासूस की तरह चारों तरफ सूंघता फिर रहा था - मुझे वह खतरनाक लगा -।

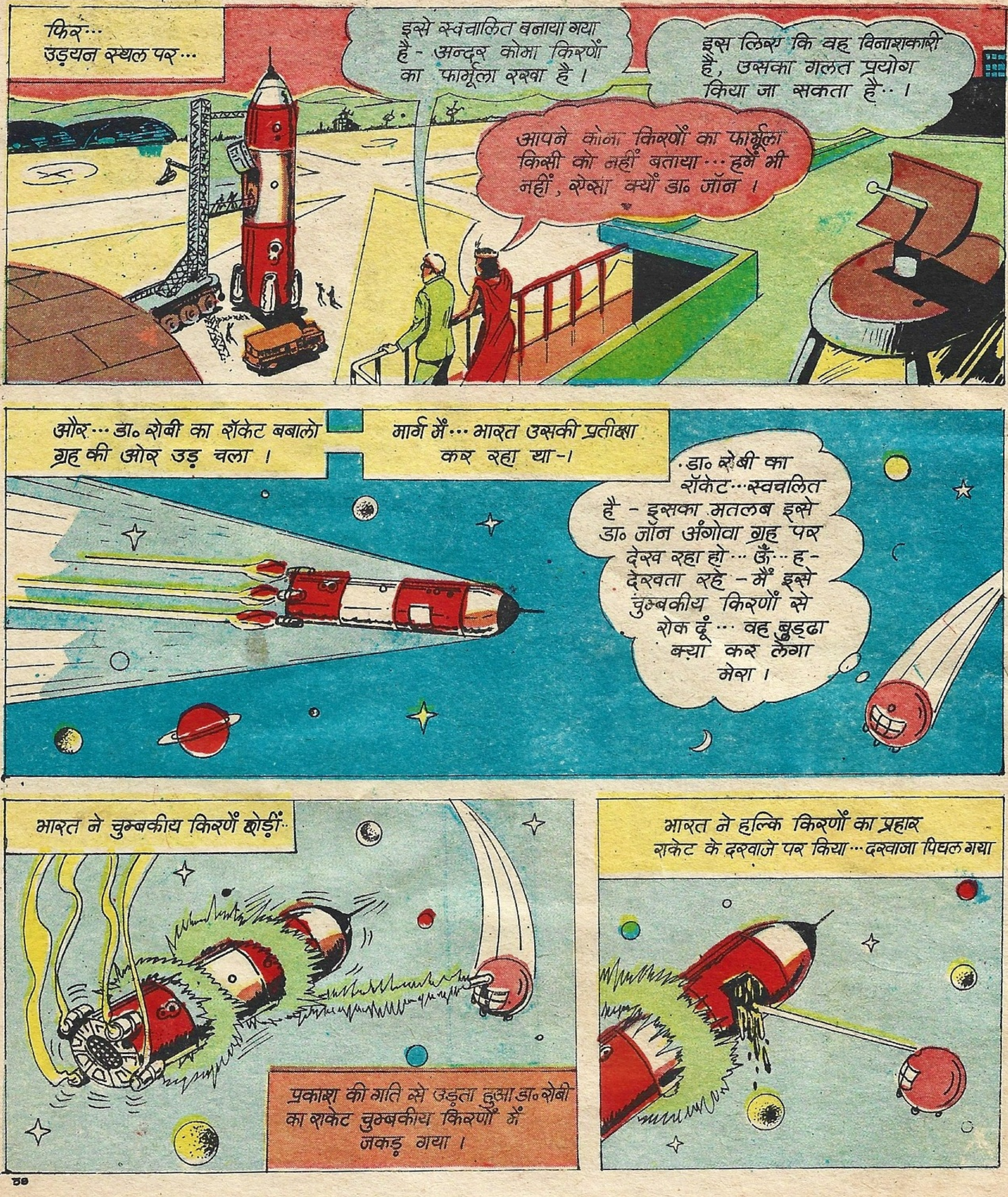
फिर…
उड़यन स्थल पर…
इसे स्वचालित बनाया गया है - अन्दर कोमा किरणों का फार्मूला रखा है ।
इस लिए कि वह विनाशकारी है, उसका गलत प्रयोग किया जा सकता है… ।
आपने कोमा किरणों का फार्मूला किसी को नहीं बताया… हमें भी नहीं, ऐसा क्यों डा॰ जॉन ।
और… डा॰ रोबी का रॉकेट बबालो ग्रह की ओर उड़ चला ।
मार्ग में… भारत उसकी प्रतीक्षा कर रहा था -।
डा॰ रोबी का रॉकेट… स्वचालित है - इसका मतलब इसे डा॰ जॉन अंगोवा ग्रह पर देख रहा हो… ऊँ… ह - देखता रहे - मैं इसे चुम्बकीय किरणों से रोक दूं… वह बुड्ढा क्या कर लेगा मेरा ।
भारत ने चुम्बकीय किरणें छोड़ीं
प्रकाश की गति से उड़ता हुआ डा॰ रोबी का राकेट चुम्बकीय किरणों में जकड़ गया ।
भारत ने हल्कि किरणों का प्रहार राकेट के दरवाजे पर किया… दरवाजा पिघल गया

उधर अंगोवा ग्रह पर··· कन्ट्रोल रूम में···
देखा··· फार्मूला उसने निकाल लिया···।
यह रॉकेट के अन्दर का दृश्य है ।
चुम्बकीय किरणें से रॉकेट रुका हुआ है-।
उसने फार्मूला निकालकर रॉकेट नष्ट कर दिया-।
Scan & editing by Rahul Dubey
अब वह ड्रीम लैण्ड जाकर कोमा किरणें बनायेगा-तब तक हम भी चुम्बकीय रॉकेट को भेजने की तैयारी कर लें ।
तैयार हो चुकी
आप कोई काम अधूरा नहीं छोड़ते
ड्रीम लैण्ड में···
डा॰ जॉन सिर पीट रहा होगा-मेरे विनाश के लिए उसने कोमा किरणें का आविष्कार किया अब
उन्हीं किरणों से - उसका विनाश होगा···हा-हा-हा···
स्टेशन के अन्दर···
तुम्हारे लिए एक खुशखबरी···लाया हूं···!
कैसी खुशखबरी स्वामी··?!
जल्दी बताओ स्वामी···?!
कोमा किरणों का फार्मूला मैंने उड़ा लिया··· इसकी सबसे हल्की किरण भी एक पूरे ग्रह को नष्ट कर सकती है···आओ हम सब मिलकर कोमा किरणें बनायें ।
अब निश्चय ही, हम पूरे ब्रह्माण्ड को जीत लेंगे-।
चलिये स्वामी
बेशक···

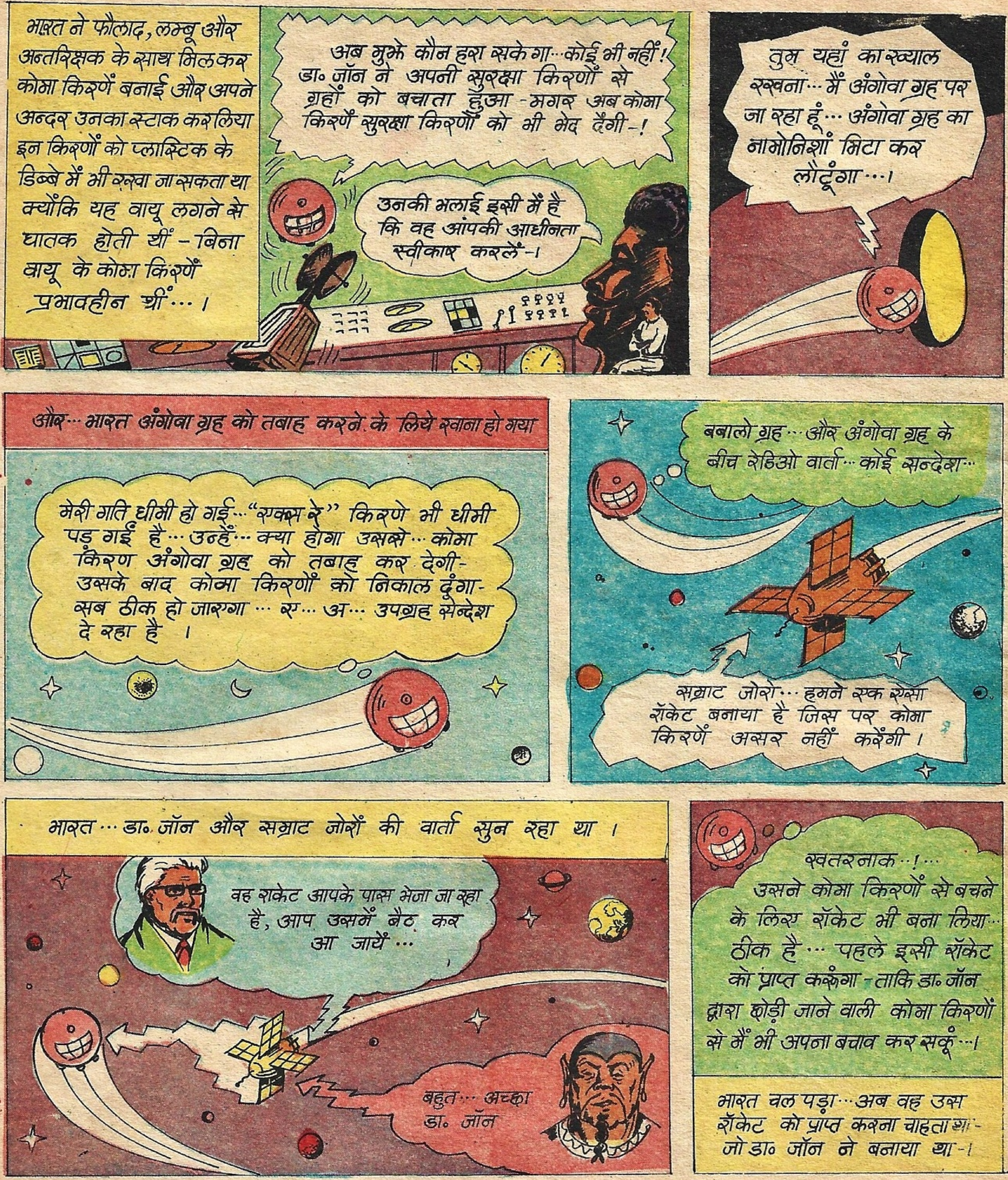
भारत ने फौलाद, लम्बू और अन्तरिक्षक के साथ मिलकर कोमा किरणें बनाई और अपने अन्दर उनका स्टाक कर लिया इन किरणों को प्लास्टिक के डिब्बे में भी रखा जा सकता था क्योंकि यह वायू लगने से घातक होती थीं - बिना वायू के कोमा किरणें प्रभावहीन थीं ···।
अब मुझे कौन हरा सके गा···कोई भी नहीं! डा॰ जॉन ने अपनी सुरक्षा किरणों से ग्रहों को बचाता हुआ - मगर अब कोमा किरणें सुरक्षा किरणों को भी भेद देंगी -!
उनकी भलाई इसी में है कि वह आपकी आधीनता स्वीकार करलें -।
तुम यहां का ख्याल रखना··· मैं अंगोवा ग्रह पर जा रहा हूं··· अंगोवा ग्रह का नामोनिशां मिटा कर लौटूंगा···।
और··· भारत अंगोवा ग्रह को तबाह करने के लिये रवाना हो गया
मेरी गति धीमी हो गई··· "एक्स रे" किरणे भी धीमी पड़ गई है··· उन्हें··· क्या होगा उससे··· कोमा किरण अंगोवा ग्रह को तबाह कर देगी- उसके बाद कोमा किरणें को निकाल दूंगा- सब ठीक हो जाएगा ··· ए··· अ··· उपग्रह सन्देश दे रहा है ।
बबालो ग्रह··· और अंगोवा ग्रह के बीच रेडिओ वार्ता··· कोई सन्देश···
सम्राट जोरो··· हमने एक ऐसा रॉकेट बनाया है जिस पर कोमा किरणें असर नहीं करेंगी।
भारत··· डा॰ जॉन और सम्राट जोरो की वार्ता सुन रहा था ।
वह रॉकेट आपके पास भेजा जा रहा है, आप उसमें बैठ कर आ जायें···
बहुत··· अच्छा डा॰ जॉन
खतरनाक··!··· उसने कोमा किरणों से बचने के लिए रॉकेट भी बना लिया··· ठीक है··· पहले इसी रॉकेट को प्राप्त करूंगा - ताकि डा॰ जॉन द्वारा छोड़ी जाने वाली कोमा किरणों से मैं भी अपना बचाव कर सकूं···।
भारत चल पड़ा···अब वह उस रॉकेट को प्राप्त करना चाहता था - जो डा॰ जॉन ने बनाया था -।

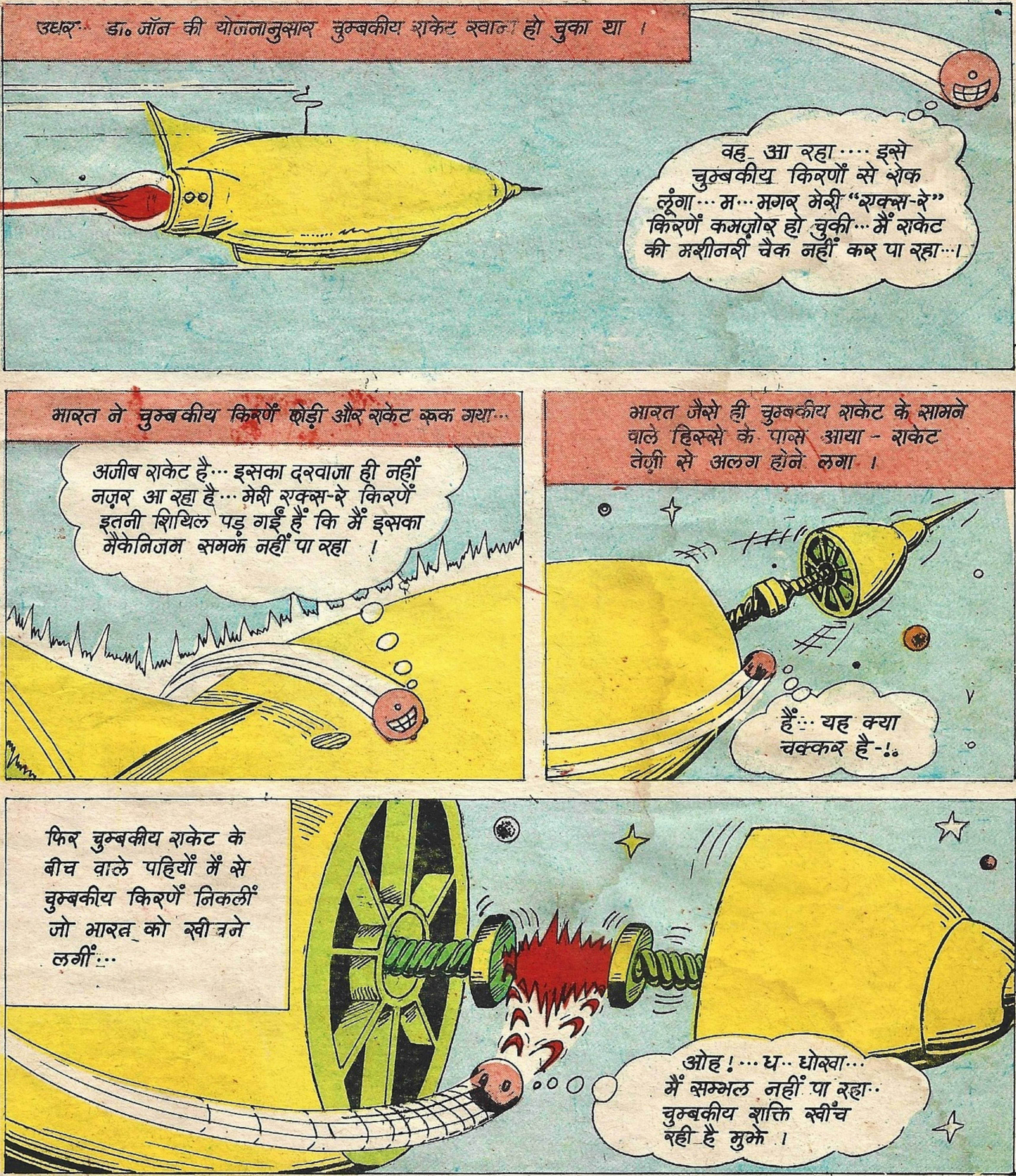

उधर... डा॰ जॉन की योजनानुसार चुम्बकीय राकेट रवाना हो चुका था ।
वह आ रहा.... इसे चुम्बकीय किरणों से रोक लूंगा... म... मगर मेरी "एक्स-रे" किरणें कमजोर हो चुकी... मैं राकेट की मशीनरी चैक नहीं कर पा रहा...।
भारत ने चुम्बकीय किरणें छोड़ी और राकेट रुक गया...
अजीब राकेट है... इसका दरवाजा ही नहीं नज़र आ रहा है... मेरी एक्स-रे किरणें इतनी शिथिल पड़ गईं हैं कि मैं इसका मैकेनिजम समझ नहीं पा रहा ।
भारत जैसे ही चुम्बकीय राकेट के सामने वाले हिस्से के पास आया - राकेट तेज़ी से अलग होने लगा ।
हैं... यह क्या चक्कर है-!
फिर चुम्बकीय राकेट के बीच वाले पहियों में से चुम्बकीय किरणें निकलीं जो भारत को खींचने लगीं...
ओह!... ध... धोखा... मैं सम्भल नहीं पा रहा... चुम्बकीय शक्ति खींच रही है मुझे ।

और भारत रॉकेट के दोनों पाटों के बीच फंस गया… जैसे ही भारत उनके बीच आया- वह जुड़ गए… यह दोनों पाट भारत पर फिट हो गये थे।
आह ! मैं अन्धा हो गया… हिल भी नहीं सकता… यह डा॰ जॉन की चाल थी…म…मैं फंस
गया उसमें - मदद के लिए अन्तरिक्षक फौलाद और लम्बू को बुलाऊं …व-ह सुन रहे हैं…
फौरन चले आओ - फौलाद-अन्तरिक्षक…लम्बू…
कुछ ही देर में फौलाद, अन्तरिक्षक और लम्बू आ पहुंचे।
ओह… मैं महसूस कर रहा हूं कि तुम आ गये हो… मेरी सहायता करो- मुझे निकालो इस फंदे से- उफ- देख भी नहीं पा रहा मैं हैं
आ…हा…मदद तो अवश्य करेंगे भारत - मगर तुम्हारी नहीं डाक्टर जॉन की…
हा - हा - हा -
हा - हा - हा -
आह ! इसका मतलब…यह भी धोखा… तुम मेरे गुलाम नहीं हो - डा॰ जॉन ने तुम्हें सुधार दिया… अन्तरिक्षक के सर्किट भी बदल गए… उफ… बहुत खतरनाक निकला बुड्ढा - डा॰ जॉन - ।
अब तुम्हारे भी सर्किट बदले जायेंगे भारत…
न… न… ही…
तुम्हारा मस्तिष्क खोला जा रहा है
लम्बू ने व्यंग कसा…
उफ…ड्रीमलैण्ड के बादशाह का अन्त देखा नहीं जा रहा मुझसे बेचारा बड़ा अच्छा था… पूरे ब्रह्माण्ड में शान्ति स्थापित करना चाहता था…
फौलाद ने भारत का मस्तिष्क खोल दिया… मस्तिष्क खोलने की विधी डा॰ जॉन ने बताई थी उसे ।

फौलाद ने एक किरण भारत के सर्किट में डाली तो सर्किट फुक गया ।
चलो खत्म हुआ किस्सा
भगवान ड्रीमलैण्ड के बादशाह की आत्मा को शान्ति देना ।
तभी चुम्बकीय राकेट से डा॰ जॉन की आवाज आई
मैं चुम्बकीय राकेट का दरवाजा खुलवा रहा हूं – भारत को लेकर उसके अन्दर चले आओ
बहुत अच्छा अंकल !
फिर राकेट का दरवाजा खुला – भारत चुम्बकीय किरणों से मुक्त हुआ - फिर उसे फौलाद ने चुम्बकीय किरणों से पकड़ कर राकेट के अन्दर पहुंचाया... और खुद भी अन्दर आ गया ।
तुम तीनों को बहुत बहुत बधाई...।
बधाई के पात्र हम नहीं आप हैं अंकल
फौलाद ठीक कहता है अंकल - आपके चमत्कारों के बिना हम कुछ नहीं
मगर धोखा यह भी खा गए थे - राकेट का चालक... दुष्ट-सम्राट जोरों का जासूस था ।
स्वामी ने कहा था... हर हालत में भारत को बबालो ग्रह पहुंचाना है - मौका अच्छा है...।
पायलट ने किरण पिस्तौल निकाली और...
अन्तरिक्षक का फ्यूज प्वाइन्ट नीचे है, स्वामी ने यही बताया था... साथ ही एक्स किरणों का बटन दबा दूं - फौलाद और लम्बू के लिए ।

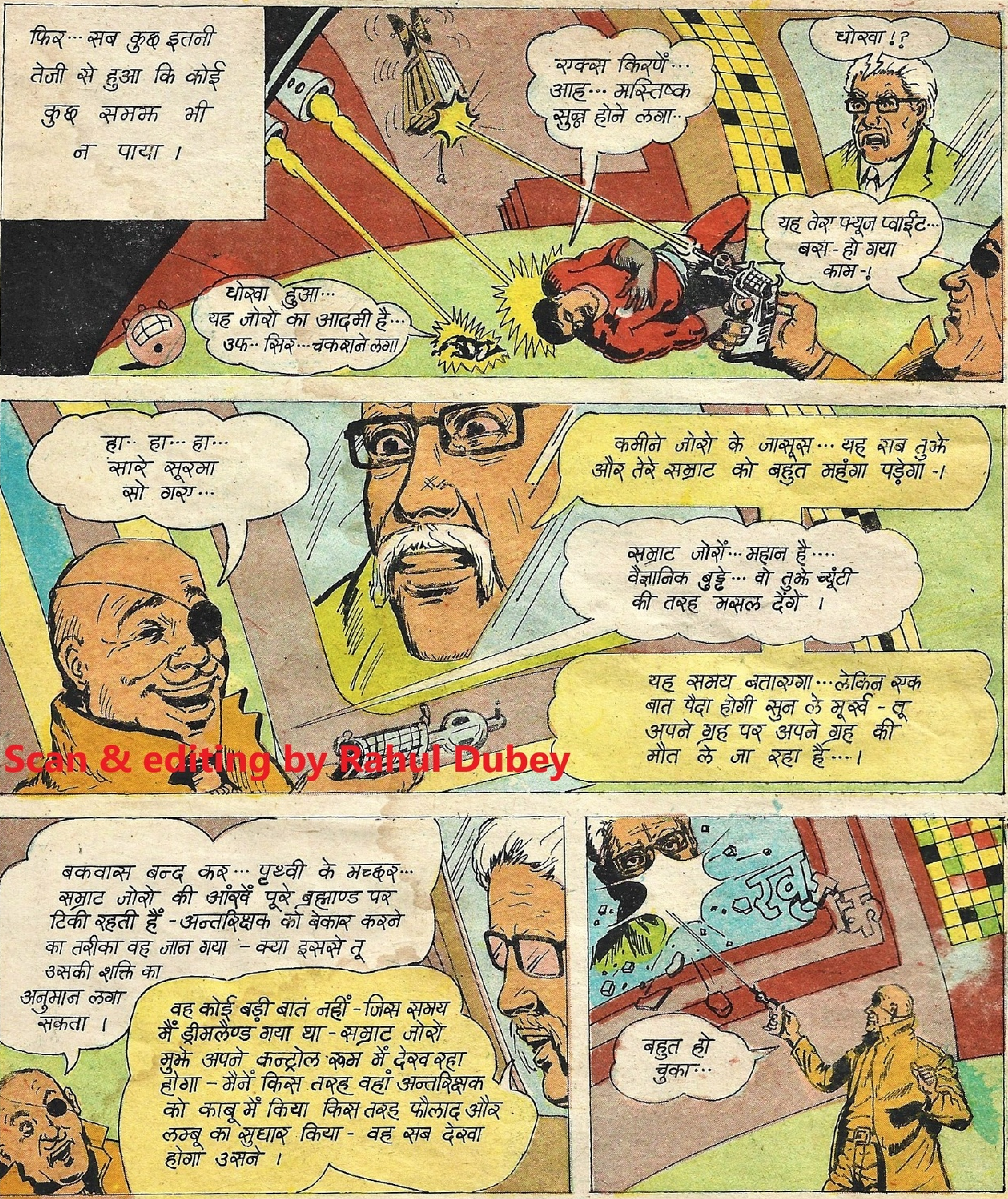

Scan & editing by Rahul Dubey

अंगोवा ग्रह पर…
मुझे पहले से ही सम्राट जोरों की नीयत पर सन्देह था - मगर… यह नहीं सोचता था कि उसके जासूस भी होंगे यहां - मित्र मागुम्बा यह भूल तुम्हारी है, जिसे विश्वसनीय मान कर आपने चुम्बकीय राकेट का चालक बनाया… वह सम्राट जोरों का जासूस और तुम्हारा नमक हराम था…
वह चुम्बकीय राकेट ले जा रहा है, हम रोक नहीं सकते उसे।
मुझे दुःख है डा० जॉन… हम जीती हुई बाजी हार गए।
नहीं महारानी राबूनिया… उसे न तो रोका जा सकता है न हमला करके नष्ट किया जा सकता है—।
सचमुच यह बहुत बुरा हुआ - सम्राट जोरों पूरे ब्रह्माण्ड का शासक बनना चाहता है - अब उसे इतनी शक्ति मिल गई - कि उसके लिए कुछ भी मुश्किल नहीं
वह भारत का सर्किट बना लेगा - अन्तरिक्षक भी उसका हो जाएगा - फौलाद और लम्बू का भी ब्रेनवाश कर लेगा यह समझो कि अब तक सिर्फ एक भारत था - जिसने हमें नचा रखा था - लेकिन अब चार शक्तियां हो गईं।
हमें सोचना चाहिए कि क्या हो सकता है - हम क्या कर सकते हैं…?
सोचने के अलावा हम कुछ नहीं कर सकते।
हिम्मत मत हारो मागुम्बा… मैं अभी जिन्दा हूं… ग्लोब और अन्तरिक्षक जैसे बहुत खिलौने बना सकता हूं… अगर फिर भी कुछ न हो सका तो कोमा किरणों से सम्राट जोरों के बबालो ग्रह को ही नष्ट कर दिया जाएगा… मुझे अपने हाथों से फौलाद और लम्बू को बबालो ग्रह के साथ नष्ट कर देना पड़ेगा।
1. क्या सम्राट जोरों का अंत करने में डा० जॉन सफल हुए।
2. क्या फौलाद और लम्बू डा० जॉन को मार पाए।
3. क्या डा० जॉन भारत और अन्तरिक्षक, लम्बू व फौलाद को अपने कब्जे में कर पाए।
4. पढ़िए अगले अंक "अन्तरिक्ष में संग्राम"

नये निराले
डायमंड कामिक्स

ग्लोब का आतंक
और
ड्रीमलैण्ड का बादशाह
के बाद
फौलादी सिंह
और अन्तरिक्ष में संग्राम

64 पृष्ठो में मूल्य 5/-

3.00

3.50

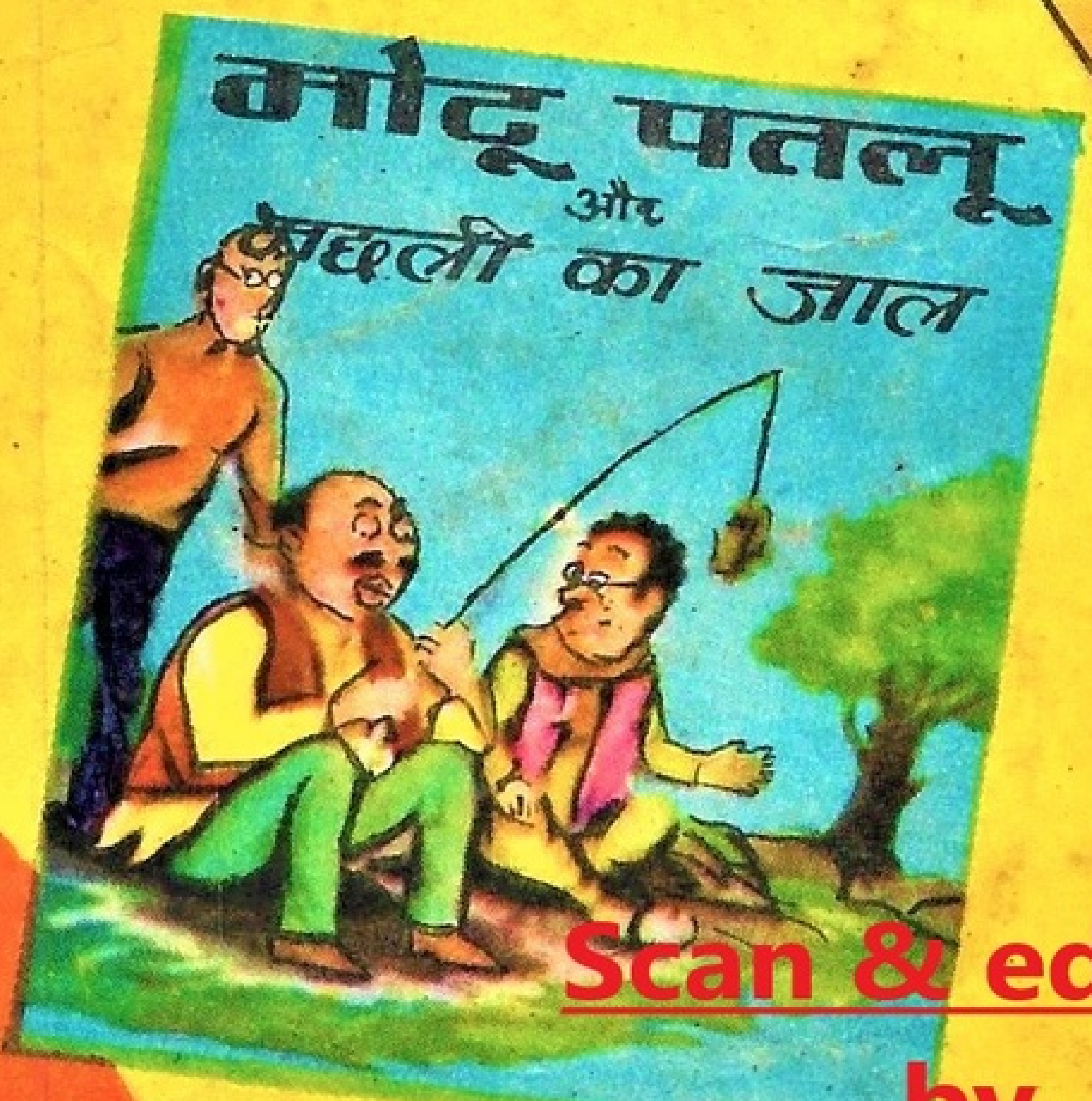

3.50

अपने निकट के बुक स्टाल से खरीदें

Scan & editing
by
Rahul Dubey

डायमंड कामि

2715 दरिया गंज, नई दिल्ली-

PRESENTED BY:

@sdch_club

Join Us on Telegram for Your Favorite Comics and Much More Awesome Conent

CLICK TO JOIN

Hindi Comics:
t.me/comics_hindi

Comics Fan Group:
t.me/raj_comics_unofficial

Requested Movies:
t.me/requestadda

Short Videos:
t.me/video_short

Backup 1 Backup 2